राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,09 जुन2020 वर्ष–2, अंक –97 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेना को बड़ी कामयाबी, शोपियां में 24 घंटे में 9 आतंकी किए ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां के शोपियां जिले में बीते 24 घंटे के अंदर आतंकियों के खिलाफ सेना ने जबरदस्त कार्यवाही करते हुए 9 आतंकियों को मार गिराया है। शोपियां के पिंजूरा इलाके में सोमवार सुबह एक मुठभेड़ में 4 आतंकी ढेर किए गए हैं। इससे पहले रविवार को भी यहां पर पांच आतंकियों को मार गिराया गया था। जम्मू–कश्मीर पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, पुलिस को कुछ वक्त पहले पिंजूरा में आतंकियों की मूवमेंट की खबर मिली थी। इस सूचना पर शनिवार शाम से ही यहां पर बड़े पैमाने पर सेना के जवान, सीआरपीएफ और एसओजी तलाशी अभियान चला रहे थे। सोमवार को आतंकियों ने भागने का प्रयास किया। जवानों ने जब उन्हें ललकारा तो इन सभी ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। घेराबंदी के बीच जंगली इलाके में हुए राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। दोनों तरफ से हुई कार्रवाई के दौरान इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते सेना ने 3 घंटे के ऑपरेशन के बाद 4 आतंकियों को मौके पर मार गिराया। इसके अलावा इस कार्रवाई में सेना के कुछ जवान घायल भी हुए हैं।

इससे पहले रविवार को शोपियां के रेबन गांव में जवानों ने हिज्बुल के एक टॉप कमांडर समेत पांच आतंकियों को मार गिराया था। इस ऑपरेशन में सेना की 1 राष्ट्रीय राइफल्स, सीआरपीएफ की 178 बटालियन और एसओजी के जवान शामिल हुए थे। बारामूला जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने अश्फाक अहमद नजर (25) के उत्तरी कश्मीर के बोमई इलाके के आदिपुरा में स्थित घर पर रात करीब 9 बजकर 30 मिनट पर हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले में नजर घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्यारों की तलाश कर रही है।

जम्मू–कश्मीर–दो हफ्ते में 22 आतंकीकिए ढेर, डीजीपीबोले– पाक रच रहा षड़यंत्र

जम्मू–कश्मीर में सुरक्षाबलों और सेना की सक्रियता के चलते आंतकवादियों का कमर टूट गई है। यहां के शोपियां में सोमवार को चार आतंकी मारे गए। सुरक्षा बलों ने बीते 24 घंटे में 9 आतंकियों को मार गिराया। जम्मू–कश्मीर पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा कि हमने आतंकियों को पकड़ने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया था। दो दिनों में हिज्बुल के 9 आतंकी मारे गए हैं। इससे दक्षिण कश्मीर में लोग राहत की सांस लेंगे। डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि हाल के दिनों में 6 शीर्ष कमांडरों सहित 22 आतंकवादी मारे गए हैं। हाल ही में नौशेरा सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को भी नाकाम कर दिया गया था। पुलवामा में एक आतंकी साजिश को भी सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। आतंकवादी आईईडी आतंकी हमलों को अंजाम देने की कोशिश कर रहे हैं।

डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि सर्दियों में भी पीओके में आतंकी लॉन्च पैड सक्रिय रहे। पाकिस्तान, अल बद्र आतंकी समूह को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा। पाकिस्तानी सेना इन आतंकी संगठनों का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या घट रही है। डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोरोना से लड़ने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंक को प्रायोजित कर रहा है। ऐसी खबरें हैं कि कई आतंकवादी कोरोनावायरस से संक्रमित हैं। ऐसी रिपोर्टें हैं कि वे लोगों में संक्रमण पहुंचा सकते हैं। हम नजर रखे हुए हैं। अभी तक ऐसी कोई घटना हमारे संज्ञान में नहीं आई है।

आज शोपिया में जवानों ने 4 आतंकी को मार गिराया।

वहीं कल भी इसी इलाके में 5 आतंकियों को ढेर किया गया था। 4 जून को राजौरी में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया।

3 जून को पुलवामा में जैश के आईईडी एक्सपर्ट समेत 3 आतंकी मार गिराए गए।

वहीं त्राल में 2 जून को 2 आतंकी ढेर किए गए, जबकि 1 जून को नौशेरा में 3 आतंकियों का खात्मा हुआ।

सीमा विवादपर रक्षामंत्री राजनाथ से मिले सीडीएस और तीनों सेनाप्रमुख, भावी रणनीति पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेसी)। देश इस समय कोरोना जैसी मह.ामारी से जूझ रहा है। दूसरी ओर लद्दाख में चीनी सैनिकों ने भी सिरदर्द बढ़ाया हुआ है।

लद्दाख में जारी तनाव को खत्म करने के लिए 6 जून को दोनों देशों की सेनाओं ने बैठक की। इसी पर चर्चा करने के लिए सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत के साथ मीटिंग की।

बैठक में तीनों सेना प्रमुख और सीडीएस ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) की ताजा स्थिति की जानकारी दी। बैठक में मौजूदा हालात के साथ–साथ भविष्य की रणनीति को लेकर चर्चा भी की गई।

6 जून की बैठक में दोनों देशों ने जिन मसलों को उठाया, दोनों देश जिस मुद्दे पर आपत्ति जता रहे थे उसको लेकर भी इस बैठक में चर्चा की गई। रक्षा मंत्री और सेना के अधिकारियों के बीच यह बैठक करीब एक घंटे तक चली।

गौरतलब है लद्दाख में मई की शुरुआत से ही भारत और चीन के बीच विवाद जारी है। भारत का आरोप है कि चीनी सैनिक लद्दाख में उस इलाके तक घुस आए हैं, जो कि हमारा है।

लेकिन चीन इसे ही एलएसी की लाइन करार दे रहा है, ऐसे में कई बार दोनों देशों के सै.निक आमने–सामने भी आए हैं। कई दौर की बातचीत फेल होने के बाद 6 जून को दोनों देशों के बीच लेफ्टिनेंट लेवल की बात.चीत हुई, जिसमें मुद्दे को बातचीत से सुलझाने पर जोर दिया गया।

भारत की ओर से इस बैठक में सख्ती से मांग रखी गई कि अप्रैल से पहले वाली स्थिति को दोबारा बहाल किया जाए। हालांकि, इसपर अभी कुछ फैसला नहीं हुआ है और फिर से बातचीत जारी रहेगी।

चीन की स्थिति को लेकर सरकार बैकफुट पर दिखाई पड़ रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांध ी, एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी समेत विपक्ष के कई नेता लगातार सरकार पर निशाना साध रहे हैं और मौजूदा हालात की सही जानकारी मांग रहे हैं।

राजस्थान के मेडिकल और पुलिस विभाग में 4500 पदों पर निकली

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजस्थान में मेडिकल डिपार्टमेंट और पुलिस विभाग में बंपर वैकेंसियां निकली हैं। जिसके तहत 4500 पदों पर सरकारी नौकरी पाने का मौका है।

राजस्थान पुलिस ने 2500 पदों पर होमगार्ड की भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं तो वहीं राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग ने 2000 पदों पर मेडिकल ऑफिसर के लिए भर्ती निकाली हैं।

इन दोनों ही विभागों में नौकरी के लिए आवेदन करने का पर्याप्त समय है। आइए जानते हैं 4500 पदों पर निकली सरकारी भर्ती से जुड़ी अहम जानकारियां।

राजस्थान में स्वास्थ्य विभाग ने 2000 पदों पर मेडिकल ऑफिसर के लिए भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवार 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की उम्र 22 से 47 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं, शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो इस भर्ती के लिए आवेदन कर रहे उम्मीदवारों के पास एमबीबीएस की डिग्री का होना अनिवार्य है। इसके अलावा उनका रजिस्ट्रेशन राजस्थान मेडिकल काउंसिल में भी होना चाहिए।

मेडिकल ऑफिसर के पद पर आवेदन करने वाले सभी वर्गों के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के रूप में 5000 रुपए का भुगतान करना होगा। वहीं राजस्थान के एससी,एसटी वर्ग के उम्मीदवारों को 2500 रुपए का आवेदन शुल्क जमा करना होगा। बता दें कि चयनित उम्मीदवारों को 15600–39100 रुपए प्रति माह वेतन मिलेगा।

राजस्थान पुलिस ने 2500 पदों पर होमगार्ड की भर्ती के लिए आव.`दन मांगे हैं। इन पदों पर 8वीं पास उम्मीदवार भी अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए किसी प्रकार की लिखित परीक्षा नहीं ली जाएगी। इन पदों पर नौकरी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की उम्र 18 से 35 वर्ष तय की गई है। राजस्थान होम गार्ड भर्ती के तहत चयनित उम्मीदवारों को 693 प्रति दिन वेतन दिया जाएगा। बता दें कि इन पदों पर 10 जून से 9 जुलाई तक आवेदन किया जा सकता है।

केंद्र बताए चीन ने क्या लद्दाख किसी इलाके पर कब्जा कर लिया : ओवैसी

हैदराबाद (एजेंसी)। लद्दाख सीमा पर चीन के साथ तनातनी की खबरों के बीच इस मुद्दे पर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है।

ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुसलमिन के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र से अपील की कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ विवाद में ताजा स्थिति को स्पष्ट करे।

उन्होने कहा कि केंद्र सरकार को बताना चाहिए कि आखिर चीन के साथ बात किस मुद्दे पर बातचीत हो रही है। क्या चीन ने इस बीच किसी भारतीय इलाके पर कब्जा कर लिया है?

केंद्र सरकार को इस संबंध में पूरी जानकारी देनी चाहिए।

सोमवार को इस बारे में बात करते हुए ओवैसी ने कहा कि भारतीय सेना और चीन की पीपल्स लिब्रेशन आर्मी आपस में बात कर रहे हैं।

केंद्र को देश को यह बताना चाहिए कि क्या चीन ने हमारे किसी इलाके पर कब्जा कर लिया है। इस मुद्दे पर वह क्यों चुप हैं।

जुलाई नहीं अगस्त से खुलने लगेंगे स्कूल

मुंबई, (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच सबकुछ सामान्य करने की कोशिश की जा रही है. अनलॉक 1 में जहां देश के अधिकांश राज्यों में धार्मिक स्थल, शॉपिंग मॉल्स, होटल रेस्टोरेंट खुल गए हैं. वहीं अब सबकी निगाहें स्कूलों और कॉलेजों पर टिकी है. क्योंकि अबतक स्कूल–कॉलेज खोलने को लेकर सरकार की ओर से कोई दिशा निर्देश नहीं आये हैं. इस बीच केन्द्रीय शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के एक बयान के बाद देश भर में स्कूलों को खोलने को लेकर चल रहा असमंजस खत्म हो गया है. मानव संसाधन विकास मंत्री निशंक ने एक मीडिया साक्षात्कार में कहा कि सरकार 15 अगस्त तक सभी स्कूलों को खोलने की तैयारी है. साथ ही नई और पुरानी सभी परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित कर दिए जाएंगे. मंत्री निशंक ने कहा कि 33 करोड़ छात्रों की शिक्षा प्रभावित न हो, इस बात का ध्यान हम रख रहे हैं. उन्होंने कहा कि बोर्ड, जेईई मेन और नीट को लेकर स्टूडेंट्स और पैरेंट्स परेशान थे, इसलिए लॉकडाउन खत्म होने के साथ सबसे पहले परीक्षाओं को पूरा कराया जाएगा. स्कूलों को खोले जाने के विषय पर केंद्रीय मंत्री निशंक ने कहा, ष्अगस्त के बाद स्कूलों को खोलने की प्रक्रिया बनेगी.ष इस बारे में अंतिम निर्णय मौजूदा हालातों का आकलन करने के बाद ही लिया जाएगा. मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मुताबिक अगस्त के बाद ही विश्वविद्यालयों में भी नए सेशन की भी शुरूआत हो सकेगी.

– आनलाईन पढ़ाई कारगर नहीं है

इस बीच अधिकांश स्कूलों और कॉलेज संचालकों द्वारा आनलाईन पढ़ाई की सुविधा देने पर काम चल रहा है और कई स्कूलों ने इसकी शुरुआत भी कर दी है. लेकिन कई स्कूल संचालक कहते हैं कि भारत में अभी भी आनलाईन एजुकेशन संभव नहीं है. जिन बच्चों के यहां लैपटाप या कम्प्यूटर नहीं हैं या जिनके घरों में स्म.ार्ट फोन नहीं इस्तेमाल होते हैं उन घरों के बच्चे आखिर कैसे पढ़ पाएंगे. ब्लैक बोर्ड और मोबाईल पर पढ़ाई में भी काफी अंतर है जो बच्चों को पाठ्यक्रमों की पूरी पढ़ाई में पर्याप्त नहीं है. सबसे बड़ी दिक्कत इन्टरनेट कनेक्शन को लेकर है . कई शहरी इलाकों में भी नेटवर्क बाधित होने से छात्र आनलाईन शिक्षण नहीं ले पा रहे हैं. जाहिर है ऐसी हालत में स्कूलों को परंपरागत ढंग से खोलना होगा.

सूक्ष्म,लघु,मध्यम,गृह उद्योग व व्यवसायियों के लिए 17705 करोड़ रुपए अबतक स्वीकृतःअनुराग ठाकुर

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट अफ़ेयर्स राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने आत्म.निर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा 100 प्रतिशत आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत एमएसएमई व व्यापारियों के लिए 17705 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए जाने की जानकारी दी है।

श्री ठाकुर ने कहा''कोरोना आपदा से देशवासियों को राहत देने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 20 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा का आत्मनिर्भर भारत पैकेज दिया है।इस आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत केंद्र सरकार ने सभी वर्गों का पूरा ध्यान रखा व उन्हें उनकी ज़रूरतों के हिसाब से सहायता प्रदान की जा रही है।आत्मभारत पैकेज बनाते समय हमने विभिन्न सेक्टर के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक चर्चा की थी और उसी के अनुरूप नीतियाँ बनाईं ।हमने सूक्ष्म,लघु, मध्यम,गृह उद्योग व व्यवसायियों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा भारत सरकार की गारंटी पर 100 प्रतिशत आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत ऋण दिए जाने शुरू की थी।सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने जून महीने के शुरुआत में ही अब तक इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के तहत 2.88 लाख यूनिट के लिए 17705 करोड़

रुपये का ऋण सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए मंजूर कर दिया है जिनमें से 15100 यूनिट को 8300 करोड़ रुपए का भुगतान किया भी जा चुका है।इन उपायों से बैंकों से 20: अतिरिक्त कार्यशील पूँजी एमएसएमई को कम ब्याज दर पर मोदी सरकार दे रही है जिससे रोज़गार के पर्याप्त अवसर बढ़ेंगे व इसका सबसे ज़्यादा लाभ छोटे शहरों व व्यापारियों को मिलने वाला है''

आगे बोलते हुए श्री ठाकुर ने कहा''मध्यम, सूक्ष्म और लघु उद्योगों को आत्म.निर्भर बनाने के लिए सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए इनकी परिभाषा में बदलाव किया है। नई परिभाषा में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों की बिक्री सीमा को बढ़ा दिया गया.अब 5 करोड़ तक के टर्न.ओवर की इकाई सूक्ष्म, 50 करोड़ के टर्नओवर की इकाई लघु और 100 तक के टर्नओवर तक की इकाई को मध्यम वर्ग में शामिल किया जाएगा,यानी छोटे उद्योगों को मिलने वाली रियायतों की सीमा का विस्तार होगा इससे उद्योग का आकार और व्यापार बढ़ेगा।मध्यम, सूक्ष्म ,लघु और कुटीर उद्योग के लिए 3 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल का प्रावध ान बिना गारंटी और कोलैटरल के किया गया है ।आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत तनावग्रस्त एमएसएमईके लिए 20,000 करोड़ रुपए का सबोर्डिनेट ऋण दिया जाएगा जिसका सीधा लाभ 2 लाख से ज़्यादा एमएसएमई को मिलने वाला है।एमएसएमई अपना आकार बढ़ाना चाहती थीं,उनके लिए फंड्स ऑफ फंड्स के माध्यम से 50 हज़ार करोड़ की इक्विटी इंफ्यूज़न का प्रावधान किया गया है।इस कदम से रोजगार के नए अवसर की पैदा होंगे जो देश को आत्मनिर्भर बनाने के सपने को साकार करेंगे''।

गृहमंत्री शाह के बयान पर बोले राहुल– दिल के खुश रखने को, 'शाह–यद' ये ख़्याल अच्छा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की रक्षा नीति को वैश्विक स्वीकृति मिलने से जुड़े गृह मंत्री अमित शाह के एर बयान को लेकर सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उन पर शायराना तकीके से वार किया।

गांधी ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गतिरोध का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए ट्वीट किया, 'सब को मालूम है 'सीमा' की हक़ीक़त, लेकिन दिल के खुश रखने को 'शाह–यद' ये ख़्याल अच्छा है।'

उल्लेखनीय है कि, शाह ने बिहार में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रविवार को की गई सभा में कहा था कि भारत की रक्षा नीति को वैश्विक स्वीकृति मिली है। अमेरिका और इस्राइल के बाद पूरी दुनिया इससे सहमत है कि यदि कोई अन्य देश अपनी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम है, तो वह भारत है। राहुल गांधी भारत और चीन के बीच सीमा पर गतिरोध को लेकर पिछले कुछ हफ्ते में सरकार से सवाल कर चुके हैं। पिछले दिनों उन्होंने सवाल किया था कि क्या सरकार इस बात की पुष्टि कर सकती है कि चीन का कोई भी सैनिक भारतीय सीमा में दाखिल नहीं हुआ है।

ताजमहल समेत 820 स्मारक खुलेंगे : केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनलॉक–1 के दौरान सरकार ने आठ जून से धार्मिक स्थलों को खोलने की इजाजत दी है। इसके तहत संस्कृति मंत्रालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षित 820 सक्रिय गतिविधियों वाले स्म.ारकों को भी खोलने की इजाजत दी है। केंद्रीय स.स्कृति मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि इन स्मारकों को गृह एवं स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशो का पालन करना होगा। मंत्रालय ने सक्रिय गतिविधियों वाले स्मारकों की सूची भी जारी की है। इनमें आगरा की जामा मसजिद, ताजमहल के अंदर मौजूद मसजिद, हजरत सलीम चिश्ती का मकबरा सहित कई

स्मारक शामिल हैं। इन स्मारकों के नाम के साथ इनमें इबादत करने वालों की संख्या भी बताई है। फेहरिस्त में दिल्ली के भी स्मारक शामिल हैं। इन स्मारकों में धार्मिक गतिविधियों में स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। मालूम हो एएसआई द्वारा संरक्षित 3,691 स्मारक और स्थल कोविड–19 के चलते 17 मार्च से बंद हैं। सूत्रों ने कहा कि इन स्थलों पर आग.तुकों के लिए ई–टिकट और मास्क पहनना अनिवार्य किया जा सकता है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वास्तविक नियंत्रण रेखा

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन के बीच बना तनाव अभी बरकरार है, लेकिन इसे शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए दोनों देशों के बीच प्रयास जारी हैं। इस कड़ी में शनिवार को दोनों देशों के सैन्य स्तर की फिर बातचीत हुई। इस बार भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व 14वीं कार्प के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह ने किया, जबकि चीनी सेना का पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दक्षिण झिंजियांग सैन्य क्षेत्र के कमांडर मेजर जनरल लियू लिन ने किया। बातचीत करीब साढ़े पांच घंटे चली। भारत पांच मई से पूर्व की स्थिति बहाल करना चाहता है। इसके तहत उसने गलवान और पेंगोंग लेक के उत्तरी क्षेत्र में घुसी चीनी सेनाओं की वापसी की मांग की। दूसरी ओर चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास भारत द्वारा कराई जा रही निर्माण गतिविधियों को रोकने को कहा। बातचीत का विस्तृत ब्योरा सामने नहीं आ सका, लेकिन इतना स्पष्ट है कि अभी कोई समाधान नहीं निकल पाया है। तत्काल इसकी कोई उम्मीद भी नहीं कर रहा था। ऐसा नहीं था कि मौजूदा मसले पर यह पहली बातचीत थी। इसके पहले सेना के निचले स्तर के अधिकारियों के बीच वार्ता चल रही थी, उसी प्रक्रिया में यह वार्ता इस स्तर पर आई है। राजनयिक स्तर पर भी वार्ता हो रही थी। उम्मीद की जा सकती है कि यह वार्ता विभिन्न स्तरों पर और आगे बढ़ेगी। जरूरत पड़ी तो राजनीतिक हस्तक्षेप का भी सहारा लेना पड़ सकता है। ऐसा समझा जा सकता है कि मसले का समाधान निकलने में अभी और समय निकलेगा। भारत को इसके लिए मानसिक स्तर पर तैयार रहना होगा, क्योंकि चीन की दिलचस्पी मामले के जल्द समाधान में नहीं लगती। चीन की आंतरिक स्थिति और भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि चीन इसे लंबे समय तक खींचना चाहेगा। अगर ऐसा होता है, तो दोनों देशों की सेनाएं वहां एक दूसरे के सामने डटी रहेंगी। दरअसल, चीन अपनी सरकारी मीडिया के जरिये एक मनोवैज्ञानिक युद्ध लड़ रहा है। भारत को भी इस पहलू को नजरंदाज नहीं करना होगा। अच्छी बात यही है कि दोनों देश मामले को बातचीत के द्वारा सुलझाने के लिए प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मसला बातचीत के जरिये सुलझाया जा सकता है। ध्यान देने की बात है कि दोनों देशों के जवानों के बीच धक्का-मुक्की जरूर हुई है, लेकिन एक भी गोली नहीं चली है।

आज के ट्वीट

सुरक्षित

कश्मीर के शोपियाँ में पिछले 24 घंटे के अंदर सुरक्षाबलों ने 9 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना को सलाम जिनकी बदौलत हम घरों में सुरक्षित बैठे हैं। शुक्र है देशवासियों ने देश को सुरक्षित हाथों में सौंप रखा है।

-- बबीता फोगाट

पता पूछकर इलाज करती दिल्ली

हरजिंदर

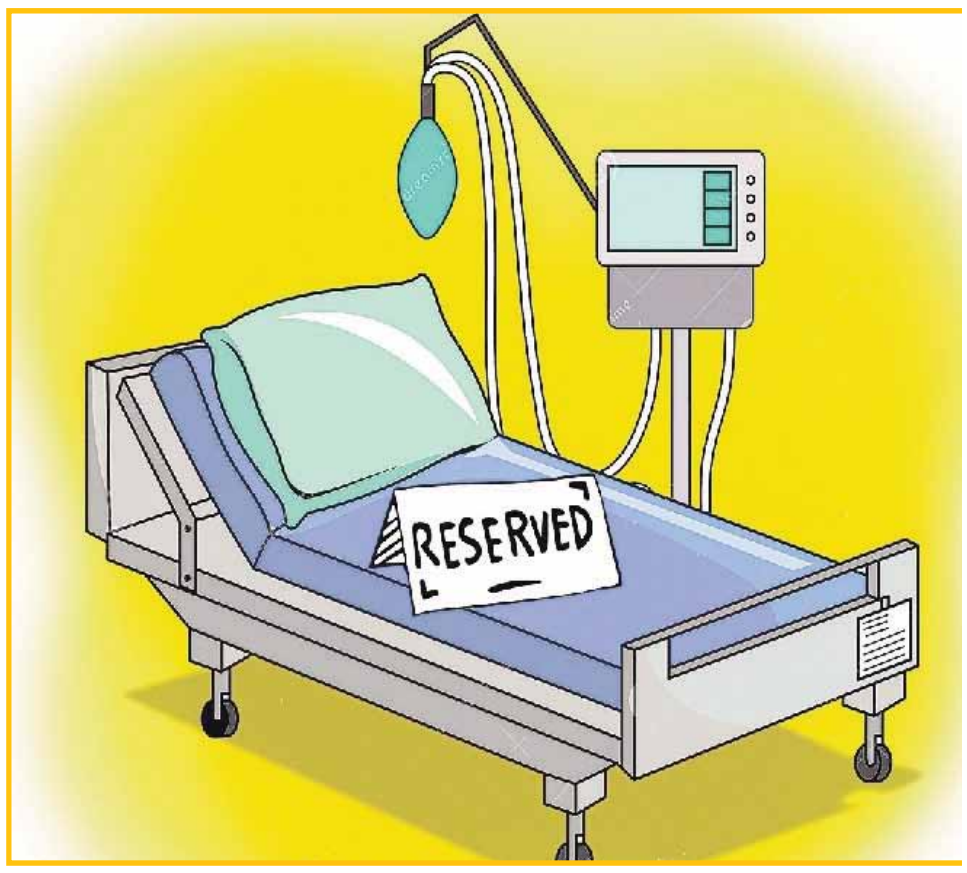

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद की एक छोटी सी कॉलोनी है कौशांबी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की इस कॉलोनी की अकेली विशेषता यही है कि यह बिल्कुल दिल्ली की सीमा पर है। सड़कके इस पार कौशांबी है, उस पार दिल्ली के पटपड़गंज और आनंद विहार। आनंद विहार की गिनती दिल्ली के सबसे प्रदूषित इलाकों में होती है और जिन दिनों यह प्रदूषण अपने चरम पर पहुंचता है, तो जिस सबसे नजदीकी रिहाइशी बस्ती को इसका प्रकोप झेलना पड़ता है, वह कौशांबी ही है। इसी कौशांबी में रहने वाला एक शख्स साल 2011 में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करके रातों-रात राष्ट्रीय परिदृश्य पर छा गया था। आंदोलन का असर इतना ज्यादा हुआ कि कुछ ही महीनों के भीतर जब विधानसभा के चुनाव हुए, तो दिल्ली की जनता ने उस शख्स को मुख्यमंत्री की कुरसी तक पहुंचा दिया। जब तक उनकी शर्तों के हिसाब से दिल्ली में मुख्यमंत्री निवास का इंतजाम नहीं हो गया, अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कई दिन बाद तक कौशांबी के अपने फ्लैट से ही काम करते रहे। यानी कुछ दिनों के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री का निवास उत्तर प्रदेश में था। उन दिनों यह भी कहा जाता था कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के पहले अनिवासी मुख्यमंत्री हैं। उनके मुख्यमंत्री बनने से उन दिनों अगर कोई सबसे ज्यादा खुश था, तो कौशांबी के निवासी, क्योंकि उनके बीच का एक शख्स दिल्ली का मुख्यमंत्री बन गया था। लेकिन अब शायद कौशांबी के यही लोग सबसे ज्यादा निराश भी होंगे। दिल्ली का सबसे ज्यादा प्रदूषण सूंघने वाले इन लोगों के लिए दिल्ली के अस्पतालों के दरवाजे अब बंद हो गए हैं। कोरोना-काल में अरविंद केजरीवाल सरकार ने आदेश जारी करके दिल्ली के अस्पतालों को अब दिल्ली निवासियों के लिए ही आरक्षित कर दिया है। गाजियाबाद ही नहीं, नोएडा, गुड़गांव (अब गुरुग्राम), फरीदाबाद और सोनीपत वगैरह दिल्ली के पड़ोसी जिलों में रहने वाले अब दिल्ली के किसी सरकारी या सरकारी मदद से चल रहे अस्पताल में अपना इलाज नहीं करा सकेंगे, भले ही उन्हें मर्ज दिल्ली से ही क्यों न मिला हो।

पिछले दिनों जब दिल्ली में कोविड-19 का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा, तो हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों ने दिल्ली से लगी अपनी सीमाओं को सील कर दिया। यह ठीक है कि दिल्ली में कोरोना संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है और मुंबई के बाद यह संक्रमण का सबसे घना क्षेत्र बन गया है, लेकिन सिर्फ इसी से पूरी दिल्ली के साथ संक्रमण क्षेत्र जैसा व्यवहार करते हुए सीमाओं को सील करने की काफी आलोचना हुई। यह एक तरह से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की उस अवधारणा को भी नकारना था, जिसका लाभ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से इन दोनों राज्यों को भी मिलता है, लेकिन अब अरविंद केजरीवाल ने इलाज के लिए भी दिल्ली के दरवाजे बंद करके इस अवधारणा को नए रसातल में पहुंचाने की तैयारी कर ली है। गाजियाबाद, नोएडा, गुड़गांव, फरीदाबाद और सोनीपत में कौन लोग रहते हैं? ये ज्यादातर वे लोग हैं, जो या तो सीधे दिल्ली में काम करते हैं या उनके रोजगार किसी न किसी तरह से दिल्ली से जुड़े हुए हैं। ये हर सुबह दिल्ली पहुंचते हैं, दिन भर उसकी जीडीपी में योगदान देते हैं और शाम को थके-हारे मेट्रो, बस, टैंपो वगैरह में धक्के खाते हुए अपने घर वापस आ जाते हैं। पिछले तीन-चार दशक में दिल्ली के भूगोल में यह गुंजाइश लगातार खत्म होती जा रही है कि वह अपने ऐसे सभी कामगारों, पेशेवरों और कारोबारियों को छत मुहैया कर सके। दिल्ली को उन सबकी जरूरत है, पर वह उनकी आवास जरूरत को पूरी करने की स्थिति में नहीं है। सीमित जगह होने के कारण दिल्ली में जमीन-जायदाद की कीमतें भी इस तरह आसमान पर जा पहुंची हैं कि बहुत समृद्ध लोगों के लिए भी वहां आवास बनाना अब आसान नहीं रह गया है। जो सुबह से शाम तक दिल्ली को समृद्ध बनाने में जुटते हैं, वे कभी ऐसी हैसियत में नहीं पहुंच पाते कि वहां अपना घर बना सकें। ऐसे लोग पड़ोसी जिलों में शरण लेने को मजबूर होते हैं और वहां के 'प्रॉपर्टी बूम' का कारण बनते हैं। इसमें कोई नई बात भी नहीं है। दुनिया भर में यही होता है। आगे बढ़ते और तरक्की करते हुए नगर इसी तरह विस्तार पाते हैं और फिर महानगर में तब्दील हो जाते हैं। यही वे स्थितियां रही होंगी, जिनके चलते कभी अरविंद केजरीवाल को कौशांबी में घर लेने को मजबूर होना पड़ा होगा। दिल्ली के जीवन में उन्होंने अपना योगदान पहले नौकरी करके दिया, उसके बाद एक लोकतांत्रिक जनांदोलन चलाकर और फिर उसकी पूरी राजनीति को बदलकर। दिल्ली में हर रोज आने-जाने वाले बाकी लोगों का योगदान हो सकता है कि किसी को इतना उल्लेखनीय न लगे, पर वे भी योगदान तो देते ही हैं। बहरहाल, दिल्ली सरकार के ताजा फैसले ने बता दिया है कि जिनके लिए इस शहर के भूगोल में जगह नहीं है, उनके लिए स्थानीय सरकार के दिल में भी जगह नहीं है। यह फैसला उस समय हुआ है, जब लॉकडाउन खुलने के बाद कोरोना वायरस का संक्रमण दिल्ली में काफी तेजी से फैल रहा है और पड़ोसी जिलों के तमाम लोग इस जोखिम के बीच हर रोज दिल्ली जाने और वहां से लौटने को मजबूर हैं। दिल्ली में उनके लिए संक्रमण की आशंकाएं अपने निवास वाले जिले से कहीं अधिक हैं, पर दिल्ली में उनके इलाज की संभावनाएं अब शून्य हो चुकी हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन जिलों में उनका निवास है, वहां चिकित्सा सुविधाएं इसी सोच के साथ बहुत ज्यादा विकसित नहीं की गईं कि पड़ोस में दिल्ली तो है ही, पर अब दिल्ली ने भी हाथ झाड़ लिए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ज्ञान गंगा

परमात्मा का कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक औरत रोटी बनाते बनाते मंत्र जाप कर रही थी, अलग से पूजा का समय कहां निकाल पाती थी बेचारी, तो बस काम करते-करते ही एकाएक धड़ाम से जोरों की आवाज हुई और साथ में दर्दनाक चीख। कलेजा धक से रह गया, जब आंगन में दौड़ कर झांकी तो आठ साल का चुन्नू चित्त पड़ा था, खून से लथपथ। मन हुआ दहाड़ मार कर रोये। परंतु घर मे उसके अलावा कोई था नहीं, रोकर भी किसे बुलाती, फिर चुन्नू को संभालना भी तो था। दौड़ कर नीचे गई तो देखा चुन्नू आधी बेहोशी में मां-मां की रट लगाए हुए है। अंदर की ममता ने आंखों से निकल कर अपनी मौजूदगी का अहसास करवाया। फिर 10 दिन पहले करवाए अपेंडिक्स के ऑपरेशन के बावजूद ना जाने कहां से इतनी शक्ति आ गई कि चुन्नू को गोद मे उठा कर पड़ोस के नर्सगि होम की ओर दौड़ी। रास्ते भर भगवान को जी भर कर कोसती रही। खैर डॉक्टर साहब मिल गए और समय पर इलाज होने पर चुन्नू बिल्कुल ठीक हो गया। चोटें गहरी नहीं थीं, ऊपरी थीं तो कोई खास परेशानी नहीं हुई। रात को घर पर जब सब टीवी देख रहे थे तब उस औरत का मन बेचैन था। भगवान से विरक्ति होने लगी थी। एक मां की ममता प्रभुसत्ता को चुनौती दे रही थी। उसके दिमाग मे दिन की सारी घटना चलचित्र की तरह चलने लगी। कैसे चुन्नू आंगन में गिरा की एकाएक उसकी आत्मा सिहर उठी, कल ही तो पुराने चापाकल का पाइप का टुकड़ा आंगन से हटवाया है, ठीक उसी जगह था जहां चिंटू गिरा पड़ा था। अगर कल मिस्त्री न आया होता तो..? उसका हाथ अब अपने पेट की तरफ गया जहां टांके अभी हरे ही थे, ऑपरेशन के। आश्चर्य हुआ कि उसने 20-22 किलो के चुन्नू को उठाया कैसे, कैसे वो आधा किलोमीटर तक दौड़ती चली गई? वैसे तो वो कपड़ों की बाल्टी तक छत पर नहीं ले जा पाती। फिर उसे ख्याल आया कि डॉक्टर साहब तो 2 बजे तक ही रहते हैं और जब वो पहुंची तो साढ़े 3 बज रहे थे, उसके जाते ही तुरंत इलाज हुआ, मानो किसी ने उन्हें रोक रखा था। उसका सर प्रभु चरणों मे श्रद्धा से झुक गया। अब वो सारा खेल समझ चुकी थी। मन ही मन प्रभु से अपने शब्दों के लिए क्षमा मांगी। भगवान कहते हैं, 'मैं तुम्हारे आने वाले संकट रोक नहीं सकता, लेकिन तुम्हें इतनी शक्ति दे सकता हूं कि तुम आसानी से उन्हें पार कर सको, तुम्हारी राह आसान कर सकता हूं। बस धर्म के मार्ग पर चलते रहो।'

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

आपराधिक कृत्यों से संकट में गजराज

अरविन्द मिश्रा

केरल के मल्लापुरम में एक हथिनी के साथ क्रूरता का जो दृश्य सामने आया, वह इनसानियत को शर्मशार करने वाला है। ऐसी घटनाएं मानवीय आचरण की मर्यादाओं को तिलांजलि देती हैं। आखिर हम किस समाज में जी रहे हैं। क्या मनुष्य अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए इतना नैतिक शून्य हो गया है कि न्यूनतम मानवीय मूल्य का भी जीवन में अकाल होता जा रहा है। कम से कम मल्लापुरम में गर्भवती हथिनी के साथ किए गए पाश्विक कृत्य से तो यही सिद्ध होता है। सोचिए किस तरह कुछ लोगों ने भूख शांत करने के लिए इनसानी दायरे में प्रवेश कर आई हथिनी को अनानास में बारूद भरकर खिला दिया। पटाखों की शक्ल में बारूद ने हथिनी की सूंड व शरीर में इतने गहरे जख्म पहुंचा दिए कि गर्भवती हथिनी तड़प-तड़प कर मर गई। ऐसे ही एक विचलित करने वाली घटना हिमाचल के बिलासपुर से सामने आई है, जिसमें एक गर्भवती गाय को आटे में पटाखा देने से उसका जबड़ा उड़ गया। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। सोशल मीडिया में केरल की घटना को लेकर देश ने काफी आक्रोश व्यक्त किया। महज कुछ घंटों के भीतर ही वृहद ऑनलाइन याचिका अभियान चलाए गए। निश्चित रूप से यह सिर्फ तात्कालिक रूप से भावनात्मक पीड़ा व्यक्त करने मात्र का नहीं बल्कि गंभीर सामूहिक चिंतन का विषय है। देश में विगत कुछ वर्षों में हाथियों के साथ हो रही क्रूरता का आकलन पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी द्वारा प्रस्तुत उस तथ्य से किया जा सकता है, जिसमें उन्होंने बताया है कि पिछले 20 साल से एक भी हाथी की मौत प्राकृतिक कारणों से नहीं हुई है। बल्कि जितने भी हाथियों की मृत्यु हो रही है, उसकी वजह मानवीय हिंसा और इनसानी लापरवाही ही प्रमुख है। मेनका गांधी द्वारा प्रस्तुत हाथियों की मौत के आंकड़े इसलिए भी चिंता पैदा करते हैं क्योंकि पिछले कई दशकों से मेनका गांधी हाथियों समेत पशुओं के अधिकारों की लड़ाई में नागरिक संगठनों को नेतृत्व प्रदान करती रही हैं। मल्लापुरम में हाथियों के साथ निर्दयता का यह पहला मामला नहीं है, यहां हाथियों को मौत के घाट उतारने और उससे आर्थिक लाभ अर्जित करने का पूरा संगठित गिरोह संचालित किया जाता रहा है। पशुओं के साथ क्रूरता के लिए यह क्षेत्र दुनियाभर में कुख्यात हो चुका है। देश में सर्वाधिक शिक्षित जिलों में शुमार होने के बाद भी यहां ऐसा शायद ही कोई दिन और सप्ताह रहा हो जब पशु-पक्षियों के सामूहिक संहार के समाचार न आते हों। पक्षियों और जानवरों को मौत के घाट उतारने के लिए यहां ऐसे बर्बर तरीके अपनाए जाते हैं, जो सभ्य समाज में मानवता का निर्वात पैदा होने का प्रमाण देते हैं। इनमें कभी सड़कों, नदी और तालाब में जहरीला रसायन फैलाकर पशु-पक्षियों और जलीय जंतुओं को मौत के घाट उतारने और हाथियों का बीमा कराकर उनके शरीर में जंग लगी कील ठोककर उन्हें मौत देकर मुआवजा व उनके दांत, मांस आदि बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त करने के कृत्य शामिल हैं। यह सब कुछ संगठित गिरोह के रूप में अंजाम दिया जाता है। लंबे समय से पर्यावरण प्रेमी इनके खिलाफ़ आवाज उठा रहे हैं। पशुओं के अधिकारों के प्रति असंवेदनशील केरल सरकार ने शायद ही कभी पशुओं के साथ क्रूरता करने वाले और उन्हें शह देने वाले अधिकारियों पर शिकंजा कसने का प्रयास किया हो। दुर्भाग्य से पशुओं की क्रूरता और विशेष रूप से हाथियों के संरक्षण को लेकर लड़ी जा रही कानूनी लड़ाई भी पिछले कई साल से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। यहां कई नागरिक संगठनों ने हाथियों पर निजी स्वामित्व समाप्त करने की गुहार लगाते हुए उसे अनुसूची-एक में शामिल किए जाने की मांग की है। हमारे पर्यावरण व पारिस्थितिकी तंत्र की अनुकूलता के लिए हाथियों का होना कितना अहम है, इस पर समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय संस्थाएं प्रकाश डालती रही हैं। हाथियों के विलुप्त होने के पीछे उनसे क्रूरता के साथ पर्यावरण के साथ हो रही छेड़छाड़ भी कम जिम्मेदार नहीं है। उनके परिवेश को हमने तहस-नहस करने का कार्य किया है। वर्ष 2019 में नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित एक रिपोर्ट इस संकट की ओर संकेत करती है, जिसमें कहा गया है कि जंगल से हाथी विलुप्त हो गये तो ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा 7 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। इससे ओजोन की परत पिघलने जैसे घातक परिणाम सामने आएंगे। दरअसल, हाथियों को बड़े पौधों के बीज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक प्रसारित करने में सहायक माना जाता है, यानी इनकी उपस्थिति से पर्यावरण में बड़े वृक्षों की संख्या बढ़ती है। पादप वैज्ञानिकों के मुताबिक भारत में 300 से अधिक पादप प्रजातियां भी हाथियों के साथ विलुप्त हो जाएंगी। ऐसे में आवश्यकता है वन्य जीवों के साथ क्रूरता के ऐसे किसी भी कृत्य पर कड़ाई से रोक लगाने की अन्यथा हाथी सिर्फ किस्से और कहानी का हिस्सा बनकर रह जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व कप्तान क्लार्क ऑर्डर ऑफ आस्ट्रेलिया नियुक्त किए गए

सिडनी। पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को ऑर्डर ऑफ आस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया है। यह एक तरह का सम्मान है जो कि किसी उपलब्धि या सेवा के लिए दिया जाता है। 39 वर्षीय क्लार्क को ऑर्डर ऑफ आस्ट्रेलिया के सामान्य डिवीजन में अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनकी कप्तानी में आस्ट्रेलिया ने 2015 में विश्व कप जीता था। क्लार्क ने आस्ट्रेलिया के लिए 115 टेस्ट, 245 वनडे और 34 टी 20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने क्रमश = 8643, 7981 और 488 रन बनाए हैं। क्लार्क ने इस खबर की जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम पर कहा, इस प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने के बाद मुझे पता नहीं है कि मैं कैसे इसका आभार व्यक्त करूं। मैं बहुत हैरान हूं लेकिन साथ ही बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह कहना मेरे लिए गर्व की बात है कि क्रिकेट ने मुझे उससे बढ़कर दिया है, जिसके बारे में मैंने कल्पना की थी।

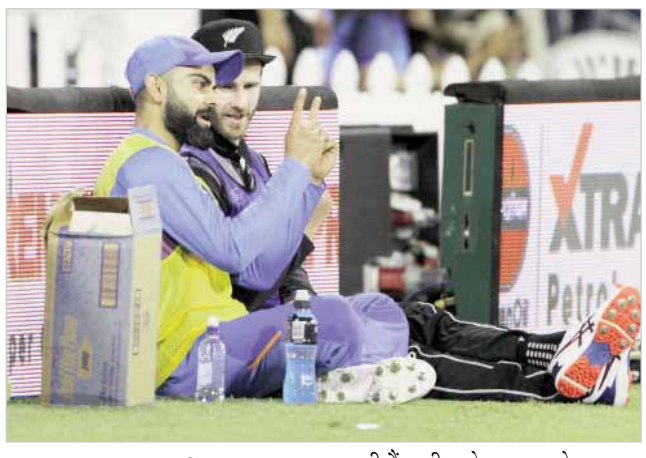

कोहली की रनों की भूख और अच्छा करने की ललक बेहतरीन : विलियम्सन

मुंबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियम्सन ने एक बार फिर भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली की तारीफ की और कहा कि वह आज जो कुछ भी हैं उसके पीछे उनके लिए गए फैसले तथा अपने देश के लिए खेलने के साथ आने वाली परिपक्वता है। विलियम्सन ने कहा कि कोहली अपने रनों की भूख और अच्छा करने की ललक के कारण ही दूसरी टीमों के लिए परेशानी बन गए हैं। न्यूजीलैंड ने स्टार स्पोटर्स के शो पर 2008 के कोहली और अब के कोहली में अंतर बताते हुए कहा, जब वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आ रहे थे उससे पहले आप कह सकते थे कि यह समय की बात है। इस समय, वह जिस तरह से क्रिकेट में आगे बढ़ रहे हैं और बल्लेबाज के तौर पर रिकार्ड तोड़ रहे हैं वो शानदार है। मुझे लगता है कि यह काफी कुछ उनकी परिपक्वता और उनके द्वारा लिए गए कुछ अच्छे फैसलों के कारण हुआ है। उन्होंने कहा, कोहली को नैसर्गिक प्रतिभा प्राप्त है, साथ ही उनके अंदर लागातार बेहतर करने और अपने अंदर सुधार कर हर दिन बेहतर होने की भूख है। हम भाग्यशाली हैं कि एक-दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। काफी कम उम्र में उनसे मिलना और उनके सफर को देखना शानदार रहा है। उन्होंने कहा, हम एक दूसरे के खिलाफ लंबे समय से खेलते आ रहे हैं, लेकिन शायद बीते कुछ वर्षों में हमने खेल को लेकर अपने विचार साझा किए हैं और देखा कि हमारी सोच काफी मिलती है। हां हम खेल को थोड़ा अलग तरीके से खेलते हैं, शारीरिक तौर पर लेकिन मैदान पर हमारा व्यक्तित्व एक जैसा ही है। इन दोनों खिलाड़ियों को इस समय के महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। अंडर-19 के समय से यह दोनों खिलाड़ी एक दूसरे को जानते हैं।

युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर फ्रांस में नया टेनिस टूर्नामेंट शुरू

पेरिस (एजेंसी)।

ऐसे समय में जबकि यूएस ओपन और फ्रेंच ओपन के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है तब दक्षिण फ्रांस में शनिवार से एक नये टेनिस टूर्नामेंट शुरू किया जाएगा जिसमें शीर्ष दस में शामिल चार खिलाड़ी भी भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट का नाम अल्टीमेट टेनिस शोडाउन (यूटीएस) है जिसमें स्टेफेनोस सिटिसिपास और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले मैटियो बेरेटिनी भी हिस्सा लेंगे। मोरातोग्लो ने कहा, मैं चाहता हूं कि प्रशंसकों को खिलाड़ियों की भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से फायदा मिले विशेषकर कोर्ट में जहां आचार संहिता इसमें सबसे बड़ी बाधा रहती है।आयोजकों के अनुसार इस टूर्नामेंट में खिलाड़ी पांच सप्ताह तक सप्ताहांत में राउंड रोबिन आधार पर मैच खेलेंगे। मैचों का सीधा प्रसारण किया जाएगा और इसके लिये खिलाड़ियों की बातचीत और प्रतिक्रिया को जानने के लिये कोर्ट के हर क्षेत्र में कई स्क्रीन, कैमरा और स्पीकर लगाये जाएंगे।

उन्होंने कहा, 'इससे दर्शकों को खेल के हर पहलू से जुड़ने का मौका मिलेगा। सेरेना विलियम्स जैसी खिलाड़ी के कोच रह चुके मोरातोग्लो ने आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अलेक्सी पोपिरिन के साथ मिलकर यूटीएस की स्थापना की है। पोपिरिन भी इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। यूटीएस ने कहा, 'खिलाड़ी अपने प्रशंसकों से भी बातचीत करेंगे तथा उनके और कोचों के बीच होने वाली बातचीत को भी साझा करेंगे।

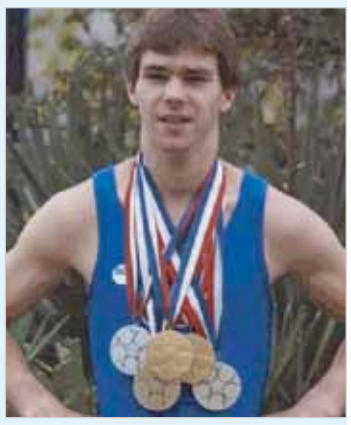

विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले अमेरिका के मशहूर जिम्नास्ट कुर्ट थॉमस का निधन

लास एंजिलिस। विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले अमेरिका के पहले पुरुष जिम्नास्ट कुर्ट थामस का निधन हो गया है। वह 64 साल के थे। थामस के परिवार ने बताया कि उनका शुक्रवार को निधन हो गया था। उन्हें 24 मई को मस्तिष्काघात हुआ था। तब उनके दिमाग की एक नस फट गई थी। उनकी पत्नी बैकी थामस ने अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्ट पत्रिका से कहा, 'कल मैंने अपना सबसे अच्छा दोस्त और पिछले 24 वर्षों से अपना हमसफर खो दिया। मुझे हमेशा उनकी पत्नी होने पर गर्व रहेगा। थॉमस ने 1976 के मांट्रियल ओलंपिक में भाग लेने के बाद 1978 में फ्रांस के स्ट्रासबोर्ग में खेली गई विश्व चैंपियनशिप में फ्लोर एक्सरसाइज में स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह से वह जिम्नास्टिक विश्व चैंपियनशिप में सोने का तमगा जीतने वाले पहले अमेरिकी बने थे। इसके बाद उन्होंने 1979 में टेक्सास के फोर्ट वर्थ में खेली गयी विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था।

पिछले एक दशक में स्पिनरों का थोड़ा दबदबा बढ़ा लेकिन 'सेना' देशों में आई गिरावट

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले टेस्ट क्रिकेट को रोमांचक बनाये रखने लिये स्पिनरों को बढ़ावा देने के पक्षधर हैं लेकिन अगर आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले दशक में 'सेना' (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया) देशों में स्पिनरों के प्रदर्शन में गिरावट आयी है और ऐसे में किसी भी कप्तान के लिये ऐसी परिस्थितियों में धीमी गति के दो गेंदबाजों को रखना परेशानी का सबब बन सकता है। कुंबले ने हाल में कहा था कि इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में भी टेस्ट मैचों में दो स्पिनरों के साथ खेलने का चलन शुरू करना होगा लेकिन पिछले एक दशक (एक जनवरी 2010 से लेकर 31 दिसंबर 2019 तक) के आंकड़े बताते हैं कि इन देशों में तेज गेंदबाजों की ही तूती बोली है। पिछले एक दशक में स्पिनरों ने क्रिकेट खेलने वाली सभी देशों में कुल मिलाकर प्रति टेस्ट 12.03 तीन विकेट लिये लेकिन जहां तक आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की बात है तो इन देशों में यह आंकड़ा प्रति टेस्ट 6.4 रह जाता है। दूसरी तरफ तेज गेंदबाजों ने ओवरऑल जहां प्रति टेस्ट 19.20 विकेट लिये वहीं 'सेना' देशों में उन्हें प्रत्येक टेस्ट में औसतन 24.87 विकेट मिले। गौर करने लायक बात यह है कि 2000 के दशक में स्पिनरों ने कुल मिलाकर प्रति टेस्ट 9.79 विकेट हासिल किये थे और 'सेना' देशों में उनका आंकड़ा 6.8 था। स्वाभाविक है इन चार देशों में स्पिनरों के प्रदर्शन में गिरावट आयी है। यही नहीं 2010 के दशक में स्पिनरों ने 'सेना' देशों में केवल 40 बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट और पांच बार मैच में दस या इससे अधिक विकेट लिये जबकि इस बीच इस मामले में ओवरऑल आंकड़ा 250 और 47 रहा। इससे पहले के दशक में हालांकि स्पिनरों ने 'सेना' देशों में 69 बार पांच या अधिक विकेट तथा 13 बार दस या अधिक विकेट हासिल किये थे जिसकी ओवरऑल आंकड़े (228 और 51) में कुछ जीवंत उपस्थिति नजर आती है। सेना देशों में स्पिनरों का सबसे अच्छा प्रदर्शन 1970 के दशक में रहा था जब उन्होंने प्रति टेस्ट 8.23 विकेट लिये थे लेकिन अस्सी के दशक में यह आंकड़ा 6.02 और नब्बे के दशक में 6.5 रह गया था। सत्तर के दशक में स्पिनरों का क्रिकेट खेलने वाले सभी देशों में आंकड़ा 10.44 विकेट प्रति टेस्ट था। उसके बाद 2010 के दशक में ही यह आंकड़ा दोहरे अंक में पहुंच पाया। अगर दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रलिया में स्पिनरों के प्रदर्शन पर गौर करें तो उपमहाद्वीप के केवल दो स्पिनर इन देशों में विकेटों का शतक लगा पाये हैं।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर को लेकर युवी की भावुक अपील, कहा- जीवन आपको दूसरा मौका देता है तो हार ना मानें

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने नेशनल कैंसर सर्वाइवर दिवस के मौके पर कैंसर से जंग लड़ रहे लोगों से कहा कि वे इससे लड़ें और कभी हार नहीं मानें। युवराज 2011 में कैंसर से पीड़ित थे और अपना इलाज कराने अमेरिका गए थे। ऐसी रिपोर्ट थी कि उनकी विश्वकप के दौरान तबीयत बिगड़ गयी थी, इसके बावजूद वह लगातार खेलते रहे। युवराज ने 2011 में टीम इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया था। उन्होंने टूर्नामेंट में 362 रन बनाये थे और 15 विकेट झटके थे जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द सीरीज चुना गया था। युवराज ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'जब जीवन आपको दूसरा मौका देता है तो उसे अच्छे कामों में इस्तेमाल करें। एक कैंसर पीड़ति होने के नाते मुझे इसका दर्द और इससे लड़ने की पीड़ा का अंदाजा है। कैंसर सर्वाइवर दिवस पर मैं एक बार फिर उन लोगों की देखभाल करने की प्रतिज्ञा करता हूं जो कैंसर से जूझ रहे हैं। इससे हार नहीं मानें। गौरतलब है कि नेशनल कैंसर सर्वाइवर दिवस 1988 से हर साल जून के पहले रविवार को मनाया जाता है।

स्पेनिश फुटबॉल ला लिगा को इस सत्र में स्टेडियम में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद

मैड्रिड। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा को उम्मीद है कि देश में कोरोना वायरस महामारी की स्थिति सुधरने के बाद इस सत्र में दर्शक फिर से स्टेडियम में आकर मैचों का लुत्फ उठा पाएंगे। ला लिगा के अध्यक्ष जेवियर टेबास ने रविवार को कहा कि वह चाहते हैं कि स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा इस क्षेत्र को वायरस मुक्त घोषित किये जाने के तुरंत बाद दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति मिल जाए। उनका यह बयान स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के पूर्व के संदेश के विपरीत है जिन्होंने कहा कहा था कि यह उचित नहीं होगा कि कुछ क्लबों में दर्शकों की उपस्थिति रहे और कुछ में नहीं। टेबास ने लीग के प्रसारक मूवीस्टार से कहा, 'वापसी की अनुमति मिलने के तुरंत बाद ही दर्शकों को स्टेडियम में पहुंचना चाहिए।' उन्होंने कहा कि इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए कि केवल कुछ टीमों को ही इससे फायदा मिलेगा।

सुनील छेत्री की ललक ने मुझे प्रभावित किया था : सुब्रत

कोलकाता (एजेंसी)।

भारतीय फुटबाल टीम के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के महान खिलाड़ियों में शुमार सुब्रत भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा है कि उन्होंने सुनील छेत्री में जो पहली चीज देखी थी वो उनकी सीखने की ललक थी। छेत्री 12 जून को अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल में अपने 15 साल पूरे करने वाले हैं। सुब्रत ने कहा, जब आप युवा खिलाड़ियों की देखते हो तो, शायद जिंदगी में कभी एक बार आपका दिल भर आता है। मैंने उस दिन वैसा महसूस नहीं किया था लेकिन मैंने देखा था कि दो युवा खिलाड़ी, जिनमें प्रतिभा है, ललक है और महत्वकांक्षा है। वो दो बच्चे सुनील छेत्री और सुब्रत पॉल थे। उन्होंने कहा, सुनील की जहां तक बात है तो उनमें शीर्ष स्ट्राइकर बनने के गुण दिख गए थे। उनके पास अच्छी तेजी थी और उनकी शूटिंग भी अच्छी थी। जो बात मुझे सबसे अच्छी लगी वो थी जो ललक उन्होंने दिखाई थी। मैं खुद एक लंबा डिफेंडर हूं, तो जब मैंने सुनील को देखा तो मुझे नहीं लगा कि वह गोल कर पाएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने खेल को पढ़ने की जो क्षमता दिखाई थी वो शानदार थी। वह लागातार गेंद के साथ भाग रहे थे, अपनी टीम के साथियों को आवाज दे रहे थे। वह सिर्फ पांच फुट सात इंच के हैं लेकिन जब भी सेट पीस होता है वह डिफेंडरों से आगे ही रहते थे। यह एक काफी अहम चीज है जो एक कोच खिलाड़ी में देखता है-- भूख।

भट्टाचार्य की बेटी सोनम की शादी छेत्री से ही हुई है। उन्होंने कहा कि छेत्री में ड्रिब्लिंग स्किल्स की कमी है। उन्होंने कहा, एक जगह है, जहां वे थोड़े कमजोर हैं और वो हैं ड्रिब्लिंग स्किल्स। वो बहुत अच्छे ड्रिब्लर नहीं हैं।

रूढ़ीवादी दीवारों को तोड़कर देश की पहली मुस्लिम कोच बनी फातिमा बानो

इंदौर (एजेंसी)।

घर से लेकर समाज तक के विरोध को नजरअंदाज कर फातिमा ने कुश्ती में बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं और देश की पहली महिला कुश्ती कोच बनीं। आज फातिमा भोपाल में सर्वश्रेष्ठ कुश्ती कोच का दायित्व निभा रही हैं जिससे देश और मध्य प्रदेश में कुश्ती खेल की उपलब्धियां बढ़ी हैं। उन्होंने मजहब के सांचों को तोड़ कर देश की पहली मुस्लिम महिला कुश्ती कोच बनने का गौरव हासिल किया और खुद के खर्च से कई अंतरराष्ट्रीय स्तर की महिला कुश्ती खिलाड़ियों की जमात तैयार की। वह गीता-बबीता फोगाट और साक्षी मलिक जैसी नामी पहलवानों को भी राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में ट्रेनिंग दे चुकी हैं। फातिमा शुरुआत में जूडो की खिलाड़ी रहीं थीं। 45 साल की फातिमा ने कुश्ती की शुरुआत 1997 में भोपाल से की थी। उनके पिता सैयद नसरूल्ला बीएचएल में थे और मां निशा बानो गृहिणी थीं। फातिमा 2001 में मध्य प्रदेश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार विक्रम अवार्ड से सम्मानित हो चुकी हैं और यह मुकाम हासिल करने वाली वह मध्य प्रदेश की पहली कुश्ती खिलाड़ी हैं। वह 2004 से 2016 तक मध्य प्रदेश खेल विभाग में कोच के रूप मे सेवाएं दे चुकी हैं। उन्होंने 2002 से कोच के रूप में दूसरी पारी शुरू की और गांव-देहात से ऐसी महिला प्रतिभाएं खोजीं जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल जीतने मे कामयाब रही। इंदौर के अर्जुन अवार्ड हलवान और जाने-माने कोच कृपाशंकर ने फातिमा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। फातिमा का रविवार को जन्मदिन था।

बाउल्ट ने याद किया पदार्पण, कहा दांतों में तार के साथ आस्ट्रेलिया नहीं जा सकता था

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बाउल्ट ने बताया है कि जब उन्हें 2011 में पहली बार टीम में आस्ट्रेलियी दौरे के लिए चुना गया था, तब उनके दांतों में तार बंधे हुए थे। बाउल्ट ने होबार्ट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। इस मैच को न्यूजीलैंड ने सात रनों से जीत लिया था। बाउल्ट ने अपनी टीम के साथी काइल जेमिसन के साथ टीम के यूट्यूब चैनल पर पोडकास्ट में कहा, मैं जब चुना गया था उससे एक सप्ताह पहले मेरे दांतों में तार बंधे हुए थे। मुझे याद है कि मैं दंतों के डॉक्टर के पास गया था और उनसे कहा था कि मैं दांतों में तार के साथ आस्ट्रेलिया नही जा सकता। उन्होंने कहा, मुझे विशेष तौर पर यह याद है। मैं वहां बल्लेबाजी करने गया, मैंने अपने आप को पूरी तरह से पैक कर लिया था। मुझे देखर ब्रैड हेडिन न कहा था कि भाई क्या तुम्हारी मां जानती है कि तुम कौन हो। बाउल्ट ने जब पदार्पण किया तब वह 22 साल के थे। बाउल्ट को चोटिल डेनियल विटोरी के स्थान पर टीम में जगह मिली थी। इस समय बाउल्ट अपनी टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं और मौजूदा समय के बेहतरीन गेंदबाजों में गिने जाते हैं।

आमिर सोहेल ने की कप्तान कोहली की जमकर तारीफ, बाबर आजम को दी ये सलाह

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज आमिर सोहेल ने कहा है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की तरह साथी खिलाड़ियों को प्रेरित करने की जरुरत है। सोहेल ने विराट की तारीफ करते हुए कहा कि वह सिर्फ एक महान खिलाड़ी ही नहीं बल्कि ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने आसपास के लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने पाकिस्तान के कप्तान बाबर को विराट की तरह साथी खिलाड़ियों को प्रेरित करने की सलाह दी है जिससे वह पाकिस्तान के महानतम खिलाड़ी बन सकें। दरअसल, सोहेल ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर विराट की विशेषता बताते हुए कहा, 'यह एक बेहद जरुरी चीज है। दुनिया में कई बड़े खिलाड़ी है लेकिन अगर उनकी टीम का उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है तो उनकी महानता का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर आप पाकिस्तान की बात करें तो जो पहला खिलाड़ी जिसका प्रभाव टीम के साथी खिलाड़ियों पर पड़ता था वो मियांदाद हैं। अगर आप उनके साथ साझेदारी कर रहे हैं तो आपको काफी प्रेरणा मिलेगी और आप अपने खेल में काफी सुधार करना चाहेंगे। सोहेल ने आगे कहा, 'यही काम विराट करते हैं। उनके साथ के खिलाड़ियों ने अपने खेल के स्तर को बढ़ाया है। इसलिए विराट एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। अगर बाबर की बात करें तो उनमें यह काबिलियत है। उन्हें अपने साथी खिलाड़ियों को बेहतर बनाना होगा जिसके लिए उन्हें अपने खेल में सुधार करना होगा। सोहेल ने पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट और 156 वनडे मुकाबलों में सात हजार से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। पाकिस्तान के लिए 47 टेस्ट और 156 वनडे खेलने वाले सोहेल ने कहा कि कई खिलाड़ी हैं जो महान है लेकिन उनकी महानता टीम के साथी खिलाड़ियों पर प्रभाव नहीं डालती।

चीजों को बोतलबंद नहीं रखना चाहिए, नस्लवाद ठीक नहीं : आर्चर

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफरा आर्चर ने अमेरिका में पुलिस हिरासत में हुए अश्वेत व्यक्ति की मौत के बाद नस्लीय दुर्व्यवहार के पीडित लोगों से बात करने का आग्रह किया है। अमेरिका के मिनोपोलिस शहर में एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने 25 मई को लगभग नौ मिनट तक 46 वर्षीय जॉर्ज फ्लॉयड की गर्दन को अपने घुटनों से दबा रखा था, जिसके बाद फ्लॉयड की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद दुनिया भर में आक्रोश और विरोध शुरू हो गया था। अतीत में खुद नस्लीय दुर्व्यवहार का शिकार हो चुके आर्चर ने डेली मेल को लिखे अपने कॉलम में कहा है, मुझे बहुत खुशी है कि ब्लैक लाइव्स मैटर कैंपेन (अश्वेत लोगों की जिंदगी के भी मायने हैं) इस तरह मुखर हुआ है। आर्चर खुद न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में खेले गए मैच के दौरान नस्लीय टिप्पणी का शिकार हुए थे। हालांकि, न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने उस फैन को बैन कर दिया था। आर्चर ने कहा, एक व्यक्ति के रूप में, मैं हमेशा बोलने के समर्थन में रहा हूं, खासकर अगर कोई आपको परेशान करता है। मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आपको कभी भी चीजों को बोतलबंद नहीं रखना चाहिए क्योंकि नस्लवाद ठीक नहीं है। आर्चर पिछले साल जुलाई में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए विश्व कप फाइनल जीत में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आगे कहा, हम सभी देश में रहते हैं और यदि आप अंग्रेज हैं, तो आपको किसी और की तरह खेलने का उतना ही अधिकार है। मेरी एक तस्वीर थी, जिसमें मैं, जोस बटलर और आदिल राशिद 2019 विश्व कप के फाइनल के दौरान जश्न मनाते हुए दिख रहे हैं। इस तस्वीर ने आपको हमारी टीम के बारे में जानने के लिए आपको सब कुछ बता दिया होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 : कर्मचारी की मृत्यु होने पर परिवार के सदस्य को नौकरी देगी एअर इंडिया की अनुषंगी

मुंबई। एअर इंडिया का जमीनी काम संभालने वाली (ग्राउंड हैंडलिंग) अनुषंगी कंपनी एअर इंडिया एयरपोर्ट सर्विस लिमिटेड (एआईएएसएल) कोरोना वायरस संक्रमण के चलते किसी कर्मचारी की मौत पर उसके परिवार के सदस्य को नौकरी देगी। कंपनी ने एक नोटिस जारी कर यह जानकारी दी। कंपनी के महाप्रबंधक (कार्मिक) ने छह जून को यह आदेश जारी किया। इसी दिन एअर इंडिया के 58 वर्षीय एक पायलट की कोविड-19 संक्रमण से मृत्यु हो गयी। यह पायलट अप्रैल में ही सेवानिवृत्त हुआ था। नोटिस के मुताबिक कोरोना वायरस जैसे राष्ट्रव्यापी संकट को ध्यान में रखते हुए एआईएएसएल ने निर्णय किया है कि कंपनी, एअर इंडिया या उसकी किसी और अनुषंगी के किसी कर्मचारी की यदि कोविड-19 महामारी से मौत हो जाती है तो मानवीय आधार पर कंपनी उसके परिवार के किसी एक सदस्य को उपयुक्त नौकरी देगी। यह निर्णय एअर इंडिया एक्सप्रेस, एलायंस एयर और एअर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेस लिमिटेड पर भी लागू होगा।

अब रेस्टोरेंट में मेन्यू की नहीं होगी जरूरत, Paytm ला रहा यह खास सुविधा

बिजनेस डेस्क: मोबाइल वॉलेट कंपनी पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा कॉन्टैक्टलेस फूड ऑर्डर के लिए 10 राज्य सरकारों से '**Scan to Order**' क्यूआर कोड सिस्टम पेश करने पर बात कर रहे हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वो सरकार से क्यूआर आधारित फूड ऑर्डर करने के लिए 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' के बारे में बात कर रही है। इस सिस्टम के तहत ग्राहक फूड मेन्यू को स्कैन कर अपने फोन के माध्यम से ही खाना ऑर्डर कर सकते हैं। इसके तहत उनके पास वॉलेट, कार्ड्स या **UPI** के जरिए भी पेमेंट करने की सुविधा होगी। रेस्टोरेंट्स इस व्हाइट लेबल प्रोडक्ट के तौर पर इस्तेमाल कर सकेंगे, जिसे वो अपने लोगो, ब्रांड कलर आदि के साथ पैम्पलेट, होर्डिंग्स और साइनबोर्ड्स में भी इस्तेमाल कर सकेंगे।

पहले चरण में 1 लाख रेस्टोरेंट्स को मिल सकेगी यह सुविधा

इस कोड के पहले चरण के लॉन्चिंग में पेटीएम 1 लाख रेस्टोरेंट्स पर यह सुविधा देगा। पेटीएम का यह प्रस्ताव एक ऐसे समय पर आया है, जब सरकार ने देशभर में 8 जून होटल, शॉपिंग मॉल्स और रेस्टोरेंट्स खोलने को हरी झंडी दी है। पेटीएम के वाइस प्रेसिडेंट निखिल सिंघल ने कहा, 'हमें विश्वास है कि कॉन्टैक्टलेस फूड ऑर्डरिंग सिस्टम के तहत इन प्रतिष्ठानों को अपनी बिजनेस शुरू करने में मदद मिलेगी और इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मौजूदा महामारी से बचने में भी मदद मिलेगी।' हाल ही में कंपनी ने अपने ई-कॉमर्स वेंचर पेटीएम मॉल के हेडक्वॉर्टर को नोएडा से बेंगलुरु शिफ्ट किया है। अब कंपनी अपने प्रोडक्ट और टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में 300 लोगों को हायर करने का प्लान बना रही है। पेटीएम मॉल ने दावा किया है कि पिछले वित्तीय वर्ष में उसने हर तिमाही में होने वाले नुकसान को 17 मिलियन डॉलर से घटाकर 2 मिलियन डॉलर किया है।

यस बैंक मामला: ईडी ने मुंबई में कॉक्स एंड किंग्स के पांच परिसरों में छापे मारे

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को यस बैंक धन शोधन जांच मामले में मुंबई में वैश्विक पर्यटन और यात्रा कंपनी कॉक्स एंड किंग्स के कम से कम पांच परिसरों पर छापे मारे। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापे मारे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कॉक्स एंड किंग्स यस बैंक के शीर्ष कर्जदारों में था और बैंक ने कंपनी को 2,260 करोड़ रुपये का कर्ज दिया था। उन्होंने कहा कि तलाशी का मकसद मामले में अधिक सबूत जुटाना है और इसके तहत पांच परिसरों को कवर किया जा रहा है। ईडी एक कथित धोखाधड़ी के मामले में यस बैंक और कई अन्य बड़े कॉरपोरेट समूहों की जांच कर रहा है, जिन्हें बैंक द्वारा दिया गया भारी ऋण गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) बन गया। यस बैंक के सह-संस्थापक राणा कपूर को मार्च में गिरफ्तार किया गया था और हाल ही में मुंबई की एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष उनके खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया गया।

चीन के 3000 उत्पादों के बहिष्कार की तैयारी, 10 जून से कैट का शुरू होगा अभियान

नई दिल्ली: छोटे व्यापारियों के शीर्ष संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) 10 जून से देश भर में चीनी वस्तुओं के बहिष्कार को लेकर एक राष्ट्रीय अभियान 'भारतीय सामान-हमारा अभिमान' शुरू करेगा। कैट ने दिसंबर 2021 तक चीनी वस्तुओं के भारत द्वारा आयात में लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए कटौती का लक्ष्य रखा है। कैट ने चीन से आयात किए जाने वाले लगभग 3000 ऐसे उत्पादों की सूची बनाई है, जिनके आयात नहीं करने से देश को कोई अंतर नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह वस्तुएं देश में पहले से बन रही हैं। कैट ने एक बयान में कहा की इस अभियान के अंतर्गत वह जहां व्यापारियों को चीनी वस्तुएं न बेचने का आग्रह करेगा, वहीं देश के लोगों से चीनी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी उत्पादों को इस्तेमाल में लाने का भी आग्रह करेगा। इस तरह वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल पर वोकल' आह्वान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस बारे में कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि चीन हमेशा से महत्वपूर्ण मामलों में भारत का विरोधी रहा है। साथ ही भारत के खिलाफ पाकिस्तान की कुटिल चालों और आतंकवाद को बढ़ावा देने में चीन का अप्रत्यक्ष रूप से बड़ा हाथ रहा है। इस बात को देखते हुए कैट पिछले चार वर्षों से चीनी उत्पादों के बहिष्कार को लेकर लगातार समय समय पर आंदोलन छेड़ता रहा है। इन अभियानों और सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की वजह से वर्ष 2018 से अब तक चीन से आयात में लगभग 6 अरब डॉलर की कमी हुई है।

CONFEDERATION of ALL INDIA TRADERS

चाइनीज़ सामान के बॉयकाट पर चीन की भारत को चेतावनी-'न करे गलती, कोशिश रहेगी नाकाम'

बीजिंग:

लाइन ऑफ ऐक्चुअल कंट्रोल (**LAC**) मामले में बेशक चीन कह रहा हो कि वह विवाद को शांतिपूर्ण समाधान निकालने की पूरी कोशिश कर रहा है, लेकिन चीन के प्रॉपगैंडा न्यूज पोर्टल ग्लोबल टाइम्स ने एक बार फिर भारत पर निशाना साधा है। ग्लोबल टाइम्स में छपे एक लेख में कहा गया है कि कुछ भारतीय राष्ट्रवादियों के कारण भारत में ऐंटी-चीन भावना पनप रही है। ग्लोबल टाइम्स ने अपने लेख में कहा गया कि चीन के खिलाफ आम भारतीयों को भड़काने और बदनाम करने की यह जानबूझकर की गई कोशिश है। चीनी सामान के बहिष्कार की अपील पूरी तरह फेल हो जाएगी, क्योंकि ये उत्पाद आम भारतीयों की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं और इसे हटाना बेहद कठिन है। बता दें कि हालिया दिनों में सीमा पर चीन के साथ तनाव के बीच भारत में चीनी उत्पादों को बहिष्कार करने की मुहिम चल रही है। इस लेख में सोनम वांगचुक का भी जिक्र है। इसमें कहा गया कि सोनम वांगचुक जैसे शख्स आम भारतीयों को चीनी सामानों का बहिष्कार करने के लिए उकसा रहे हैं। बता दें कि चीन को सबक सिखाने के लिए वांगचुक ने यूट्यूब पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने बताया कि चीन को आईना दिखाने के लिए क्या किया जा सकता है। उनके हिसाब से इसके दो तरीके हैं- एक तो सेना की तैनाती और दूसरा भारतीयों की ओर से चीनी सामान का बहिष्कार (**boycott chinese goods**)। वैसे भी इन दिनों भारत में चीनी सामनों के बहिष्कार की मुहिम भी चल रही है। उदाहरण के तौर पर रिमूव चाइना एप्स कुछ दिन पहले ही लॉन्च हुआ था। थोड़े समय में ही इस ऐप को 50 लाख से ज्यादा डाउनलोड्स मिल गए थे। यह ऐप चीन में डिवेलप किए गए ऐप्स को स्मार्टफोन से अनइंस्टॉल करने का काम करता था। इसे प्ले स्टोर से हटाए जाने के बाद बड़ी संख्या में भारतीय यूजर्स ने अपना गुस्सा जाहिर किया। हालांकि बाद में रिमूव चाइना ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर ने हटा दिया था। शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज के झाओ जेनचेंग ने इस लेख में कहा, बॉर्डर पर भारत और चीन के बीच तनाव बहुत गंभीर नहीं है और दोनों मुल्क इस मसले पर गंभीरता से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि भारतीय मीडिया और कुछ राष्ट्रवादी चीन को

बदनाम करने की कोशिश में लगे हैं। इससे पहले ग्लोबल टाइम्स के एक ट्वीट ने ट्वीट किया था- भारत में रणनीति तैयार करने और नीतियां बनाने का अधिकार एक छोटे से समूह में लोगों के पास है, जो चीन के खिलाफ नकारात्मक विचारों से भरे हुए हैं। चीन के उदय और पेइचिंग और नई दिल्ली के बीच बढ़ती खाई की वजह से चीन को लेकर भारत की उलझन बढ़ती जा रही है।

अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू करने की उद्योगपति सज्जन जिंदल ने की वकालत, दिया ये बयान

नयी दिल्ली।

उद्योगपति सज्जन जिंदल ने सोमवार को अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू करने की वकालत करते हुए कहा कि जीवन को बचाने के साथ ही आजीविका को बचाना भी महत्वपूर्ण है। विविध क्षेत्रों में कार्यरत जेएसएफ समूह के अध्यक्ष ने एक बयान में कहा, ''कोविड-19 संकट ने दुनिया को रोक दिया। हमने जान बचाने के लिए कदम उठाए लेकिन अब हमें आजीविका बचाने के लिए फिर से शुरुआत करने की जरूरत है।'' उन्होंने आगे कहा कि लॉकडाउन के आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकते हैं और एक सफल अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को व्यावसायिक गतिविधियां फिर चालू करनी होंगी। उन्होंने कहा, ''वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं खुल रही हैं। जब तक कोई इलाज नहीं मिल जाता है, तब तक घर में बैठने से आजीविका का नुकसान उतना ही गंभीर होगा।'' साथ ही उन्होंने कहा, ''हम जितनी धीमी शुरुआत करेंगे, लॉकडाउन से बाहर आने वाले देशों के हाथों हम उतना ही खो देंगे। अब हम और इंतजार नहीं कर ,सकते।'' उन्होंने कहा कि भारत को जल्द से जल्द अपनी पूरी क्षमता के साथ वापसी करने की जरूरत है। जिंदल ने कहा, ''यूरोप खुल गया। स्पेन, फ्रांस, एम्स्टर्डम और जर्मनी में लोगों ने एक नई जीवनशैली को अपना लिया है और फिर से कामकाज शुरू कर दिया है। रेस्टोरेंट,बाजार, सार्वजनिक परिवहन, सभी चालू हो गए हैं। इस तरह ही आप अर्थव्यवस्था को बचा सकते हैं। घर के अंदर रहने से नहीं!'' सरकार ने दो महीने से अधिक समय तक देशव्यापी लॉकडाउन से चरणबद्ध तरीके से बाहर निकलने की घोषणा की है।

वर्क फॉम होम को दिया जा रहा जोर, आधे कर्मचारियों के साथ काम करने की योजना !

नयी दिल्ली।

कोरोना महामारी के चलते देशव्यापी लॉकडाउन की पाबंदियों को सरकार अब धीरे-धीरे कम करने जुटी हुई है और अर्थव्यवस्था के पहिए को रफ्तार देने की योजनाओं पर भी अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इसी बीच 8 जून दिन सोमवार से अनलॉक फेज-1 की शुरूआत हो गई है। कभी न थकने वाली कम्पनियां अब दौड़ने को तैयार हो चुकी हैं। मगर कम्पनियां अपने आधे कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने के लिए योजनाएं बनाने में जुटी है। अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर के मुताबिक मैरिको ने अपने कामकाज के तरीके में बदलाव करने के लिए एक बाहरी कंसल्टेंट कम्पनी के साथ काम कर रही है। दरअसल, कम्पनी का कहना है कि उसके कम-से-कम 40 फीसदी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करें। विज्ञापन फर्म वंडरमैन थॉम्पसन 50-50 फॉर्मूले पर विचार कर रही है ताकि कम्पनी के आधे कर्मचारी ही दफ्तर आएं।

मर्सिडीज तीन दिन ही कर्मचारियों को बुलाएगी दफ्तर !

वहीं, दूसरी तरफ मर्सिडीज बेंज इंडिया ने कर्मचारियों को सप्ताह में तीन दिन दफ्तर बुलाने का विचार बनाया है। जबकि दो दिन कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करना पड़ेगा। कोविड-19 महामारी से पहले भी कम्पनी ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने की सहूलियत दी हुई थी लेकिन पहले कर्मचारियों को महीने में सिर्फ तीन दिन ही वर्क फ्रॉम होम की सुविधा थी। कम्पनी के एमडी और सीईओ मार्टिन श्वेंक ने कहा कि नई योजना ऑनलाइन और ऑफलाइन के मिश्रण की है और यह बहुत अच्छी तरह काम करता है। इसमें मुझे कोई परेशानी नहीं है।

दफ्तर में 20 फीसदी कम सीटें

वंडरमैन थॉम्पसन ने पहले ही मुंबई के नए ऑफिस में एक अलग ही कॉन्सेप्ट को अपनाया हुआ था। जहां पर कम्पनी ने लोगों की तुलना में 20 फीसदी कम कर्मचारियों के लिए सीटों की व्यवस्था की। इसके पीछे कम्पनी का यह सोचना था कि 20 फीसदी कर्मचारी किसी दिन भी यात्रा करेंगे या फिर अवकाश पर रहेंगे। ऐसे कम्पनी ने 20 फीसदी कम सीटों का कॉन्सेप्ट रखा। वंडरमैन थॉम्पसन के साउथ एशिया चेयरमैन और ग्रुप सीईओ तरुण राय ने कहा कि वर्क फ्रॉम होम का अनुभव काफी अच्छा रहा है। तरुण राय ने कहा कि मैं हमेशा अपने लोगों के आउटपुट पर जोर देता हूं, मैं यह नहीं देखता हूं कि लोगों ने कितने समय दफ्तर में बिताया। इसलिए मुझे इस बात से हैरानी नहीं हुई कि लोगों ने वर्क फ्रॉम होम को बेहतर जिम्मेदारी के साथ निभाया है। इसी के साथ ही उन्होंने 50-50 फॉर्मूल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि हम अपनी 100 फीसदी कार्यबल के साथ वर्क फ्रॉम होम कर सकते हैं तो हम निश्चित ही 50 फीसदी कर्मचारियों के साथ काम कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के बावजूद देश में कोरोना संक्रमण का खतरा कम नहीं हुआ। कोरोना के मामले रोजाना रिकॉर्ड संख्या के साथ दर्ज किए जा रहे हैं। देशभर में संक्रमितों की कुल संख्या 2,56,611 पर पहुंच गई और संक्रमण के कारण 7,135 मरीजों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, वर्तमान में देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,25,381 है, जबकि 1,24,094 मरीज बीमारी से ठीक हो चुके हैं। एक मरीज देश से बाहर जा चुका है।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में निवेश करे देश के उद्योग जगत: उदय कोटक

नयी दिल्ली।

उद्योग संघ सीआईआई के नव निर्वाचित अध्यक्ष उदय कोटक ने कहा कि समाज एक निर्णायक मोड़ से गुजर रहा है और भारतीय उद्योग जगत के लिए यह खुद को बदलने तथा सकारात्मक नजरिए के साथ निवेश करने का समय है, ताकि आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग जगत को कोविड-19 संकट से पैदा हुए अवसरों का फायदा उठाना चाहिए और कम कर्ज वाले उद्यमियों को नए रणनीतिक क्षेत्रों में निवेश के नए तथा साहसिक फैसले लेने से हिचकना नहीं चाहिए। उदय कोटक, निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक ने भी हैं। उन्होंने भारतीय उद्योगजगत को इस चुनौतीपूर्ण समय में टिके रहने के लिए पूंजी बाजार की मदद लेने और और बफर फंड जुटाने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 महामारी के साथ हम अब एक ऐसी दुनिया देखेंगे, जहां उल्लेखनीय रूप से समेकन होगा... और अधिकांश क्षेत्रों में कम खिलाड़ियों के रह जाने का अनुमान है।'' उन्होंने कहा कि भारत और भारतीय उद्यमियों के लिए यह वक्त एक सकारात्मक नजरिये को अपनाने का है और साथ ही उन्होंने जोड़ा कि वह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान से बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने इस बात को माना कि खराब कॉरपोरेट प्रशासन और अत्यधिक कर्ज के चलते अतीत में भारतीय उद्योगों को नुकसान हुआ, लेकिन अब निवेश के बारे में नए सिरे से फैसले लेने का वक्त है क्योंकि कॉरपोरेट क्षेत्र के कामकाज में अब जो खराब तत्व थे उनकी लगभग सफाई हो चुकी है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि आज के समय में कारोबारों और कंपनियों की परिचालन लागत अपेक्षाकृत कम है और जिन पर कर्ज कम है, वे हमारे सामने मौजूद अवसरों का फायदा उठाने के लिए एकदम मुफीद हैं।'' उन्होंने कहा कि यह समय कुछ बंद पड़ी परिसंपत्तियों को फिर चालू करने और उन पर नए सिरे से ध्यान देने का है और ऐसे में यह निवेश करने का अवसर है, जब दीर्घकालिक ब्याज दरें कम हो रही हैं। आत्मनिर्भर भारत के बारे में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पर्यावरण और ग्रामीण बुनियादी ढांचे सहित सामाजिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.3 प्रतिशत से बढ़ाकर पांच से 10 प्रतिशत तक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यमियों को भविष्य के निवेश को परिभाषित करना और उस दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा, ''ऐतिहासिक रूप से हम निवेश को एक संकीर्ण दायरे में माप रहे हैं, जैसे ऑटो क्षमता और इस्पात क्षमता। ये सभी जरूरी हैं, लेकिन अब हमें स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, प्रकृति और ग्रामीण भारत में निवेश को प्राथमिकता देने की जरूरत है।'' कोटक ने जोर देकर कहा कि देश के विकास को बढ़ावा देने के लिए निवेश की आवश्यकता है, जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' बनेगा। उन्होंने आगे कहा,

''आत्मनिर्भर भारत का दूसरा भाग महत्वपूर्ण है, जो आत्मनिर्भर तथा प्रतिस्पर्धी बनने और दुनिया के साथ जुड़ने से संबंधित है। इसलिए मुझे आत्मनिर्भरता और प्रतिस्पर्धा के बीच कोई विरोधाभास नहीं दिखता, हमें दोनों पर ध्यान देना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री का निहित संदेश भी यही है और हमारे लिए इस रास्ते पर चलना जरूरी है क्योंकि अपने इतिहास को फिर से परिभाषित करने वाले मौके बहुत कम आते हैं, और हम ऐसे ही एक निर्णायक मोड़ पर हैं।

मनरेगा से गांवों में काम की रिकॉर्ड मांग, योजना में आने वाले परिवारों की संख्या भी 31% बढ़ी

नई दिल्ली:

देश में कोरोना वायरस के प्रकोप को फैलने से रोकने के लिए करीब दो महीने तक लॉकडाउन लगाया गया था। इस दौरान देश में आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई थी जिससे प्रवासी मजदूरों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया। ऐसे में उनके पास घर लौटने के सिवा कोई चारा नहीं था। इसका नतीजा यह हुआ कि मई में मनरेगा (महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के तहत काम की मांग में रिकॉर्ड इजाफा हुआ। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मई में 41.77 करोड़ मानव कार्यदिवस सृजित किए गए। यह एक साल पहले की तुलना में 13 फीसदी अधिक है। इसी तरह मई में इस योजना के दायरे में आने वाले परिवारों की संख्या भी पिछले साल की तुलना में 31 फीसदी बढ़कर 2.8 करोड़ हो गई। यह किसी एक महीने में इस योजना में जुड़ने वाले परिवारों की सबसे अधिक संख्या है। इस योजना को 15 साल पहले शुरू किया गया था। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में मनरेगा के तहत काम की मांग में सबसे ज्यादा उछाल आई है। इन प्रदेशों में बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार अपने घर लौटे हैं। उत्तर प्रदेश में मई में मनरेगा के तहत 5.05 करोड़ मानव कार्यदिवस काम हुआ। पिछले साल मई में यह संख्या 1.74 करोड़ थी। छत्तीसगढ़ में यह संख्या 2.43 करोड़ से बढ़कर 4.15 करोड़ हो गई। मध्य प्रदेश में इस योजना के तहत पिछले साल मई में 2.46 करोड़ मानव कार्यदिवस काम हुआ था जो इस साल बढ़कर 3.73 करोड़ हो गया।

शहरी इलाकों में बढ़ सकती है मजदूरी

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह रुझान लंबे समय तक बना रहता है तो इससे शहरी इलाकों में मजदूरी बढ़ने से देश में महंगाई बढ़ सकती है। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री डी के पंत ने कहा, 'ग्रामीण इलाकों में मजदूरों की बहुतायत से वहां मजदूरी में कमी आएगी जबकि शहरों में कामगारों की कमी से मजदूरी बढ़ेगी। इससे कंपनियों की बैलेंस शीट पर दबाव बढ़ेगा और आने वाले समय में निवेश प्रभावित होगा।' जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में इकनॉमिक्स के प्रोफेसर और ग्रामीण मामलों के जानकार हिमांशु ने कहा कि मनरेगा के तहत अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दिया जा सकता है और ग्रामीण इलाकों में विकास किया जा सकता है।

सेंसेक्स ने शुरुआती बढ़त गंवाई, 83 अंक बढ़कर हुआ बंद

मुंबई

बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स सोमवार को शुरूआती जोरदार तेजी को बरकरार नहीं रख पाया और अंत में मामूली 83.34 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में अच्छी तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली को तरजीह दी।

शुरूआती कारोबार में 640 अंक से अधिक की तेजी के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 83.34 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 34,370.58 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 25.30 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 10,167.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा जिसमें करीब 7 प्रतिशत की तेजी आयी। उसके बाद एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, ओएनजीसी, टाइटन, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा का स्थान रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर कारोबार के दौरान करीब 3 प्रतिशत मजबूत हुआ और एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। आरआईएल की अपनी डिजिटल इकाई जियो प्लेटफार्म्स में 1.16 प्रतिशत हिस्सेदारी अबू धाबी इनवेस्टमेंट ऑथोरिटी को 5,683.50 करोड़ रुपये में बेचने की खबर से कंपनी का शेयर चढ़ा। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली से आरआईएल का शेयर 0.51 प्रतिशत नीचे आकर बंद हुआ। महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और नेस्ले इंडिया के शेयर भी नीचे आये। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख आनंद राठी ने कहा कि एशिया के अन्य शेयर बाजारों में तेजी से बाजार अच्छी बढ़त के साथ खुला। ओपेक और अन्य सहयोगी देशों के उत्पादन में कटौती एक महीने और बढ़ाये जाने का बाजार पर सकारात्मक असर पड़ा। हालांकि, दोपहर कारोबार में मुनाफावसूली के कारण तेजी बरकरार नहीं रही। वैश्विक मोर्चे पर चीन का शंघाई, हांगकांग, दक्षिण कोरिया का सोल और जापान का तोक्यो लाभ के साथ बंद हुए। वहीं यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.95 प्रतिशत बढ़कर 42.70 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

लंबे समय तक सुस्ती से भारत को विदेश व्यापार के मोर्चे पर हो सकता है नुकसान: एसबीआई रिपोर्ट

मुंबई, देश की आर्थिक वृद्धि में लंबे समय तक सुस्ती छाये रहने का भारत के विदेश व्यापार क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वर्तमान में यह बाहरी क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के नरम दाम के चलते संतोषजनक स्थिति में है। स्टेट बैंक की सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एसबीआई शोध की इकोरैप रिपोर्ट के मुताबिक भारत चालू वित्त वर्ष की समाप्ति चालू खाते में अधिशेष की स्थिति के साथ कर सकता है। इसमें कहा गया है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम लगातार नीचे बने रहते हैं और वर्ष के दौरान उनमें कोई उठापटक नहीं आती है तो भारत की स्थिति बाहरी मोर्चे पर बेहतर रह सकती है। इसमें कहा गया है, ''हमें वर्ष 2020- 21 के दौरान विदेश व्यापार के मोर्चे पर ध्यान रखना होगा क्योंकि आर्थिक वृद्धि में लंबे समय तक सुस्ती जारी रहने से विदेश व्यापार के मोर्चे पर गणित गड़बड़ा सकता है, खासतौर से रुपये की विनिमय दर पर असर पड़ सकता है।'' रिपोर्ट में इस बात पर गौर किया गया है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्ष 2016- 17 में 8.3 प्रतिशत से घटकर 2019- 20 में 4.2 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था में पांच प्रतिशत तक कमी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इससे कुल मिलाकर आर्थिक वृद्धि दर में 9 प्रतिशत गिरावट का संकेत मिलता है। कोरोना वायरस के चलते वर्ष 2019- 20 के मुकाबले यह नौ प्रतिशत की बड़ी गिरावट होगी। इसमें हमारी बाहरी मोर्चे पर वहनीय स्थिति बने रहना ही अच्छी बात है। जून 2019 में जीडीपी के मुकाबले कुल बाहरी ऋण 19.8 प्रतिशत के अनुपात पर बना रहा। कोविड- 19 के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 18 मई तक प्रतिदिन एक लाख से कम परीक्षण हो रहे थे। लेकिन इसके बाद यह संख्या एक लाख प्रतिदिन तक पहुंच गई। जून के पहले सात दिनों के दौरान भारत में औसतन 1.32 लाख कोविड- 19 परीक्षण किये गये। वहीं छह और सात जून को यह संख्या 1.40 लाख प्रतिदिन से ऊपर निकल गई। रिपोर्ट में कहा गया, ''शायद यही वजह रही कि संक्रमण के नये मामले तेजी से बढ़ते दिखने लगे हैं।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रंगीन दुनिया में हर रंग कुछ बोलता है। बिना रंगों के तो आप अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। हर रंग का कुछ अर्थ है, जिसे प्रायः हम नहीं जानते। आपको अपने भाव प्रकट करने हों या किसी को कुछ उपहार में देना हो, इसका चुनाव आप रंगों के माध्यम से ही करते हैं। अगर बात फैशन की हो तो कलर की च्वाइस करना और भी जरूरी हो जाता है।

इन्हें चाहिए ब्लैक

बॉलीवुड के स्टाइल आइकल जॉब अब्राहिम, शाहरुख खान, शाहिद कपूर के फैन्स उनके ब्लैक कलर को भी फॉलो करते हैं। शादी, रिसेप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी सभी जगह ब्लैक को फॉलो किया जा सकता है। ब्लैक कलर के दीवाने अपनी पसंद का यूनिक ब्लैक डिजाइनर पीस चुन रहे हैं।

व्हाइट फॉर आल

व्हाइट कलर सिर्फ यूथ ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन की वॉडरोब का भी हिस्सा बना हुआ है। इसीलिए व्हाइट कलर में मेन्स वियर्स जैसे शर्ट्स, ट्राउजर, टाई, बेल्ट, शेरवानी, सूट, शूज और दूसरी सभी एसेसरीज तक बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

सब कुछ कह देता है

फेवरेट कलर

पहले जहां अलग-अलग डिजाइनर्स के कलेक्शन को एक ही स्टोर में जगह मिलती थी, वहीं अब एक स्पेसफिक कलर के सभी डिजाइनर कपड़ों और एसेसरीज पर बेस्ड स्टोर भी शुरू हो गए हैं। एक रोचक बात और भी है कि फैशन को ध्यान में रखकर एक स्पेशल कलर थीम को लेकर अब एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं।

इन कलर थीम में इस समय सिटी में ब्लैक, व्हाइट और पिंक थीम आ चुकी है। इन तीनों कलर्स में अगर आपको किसी भी तरह का आउटफिट, शूज, एसेसरीज और हैंडबैग चाहिए, तो आपको पूरी मैचिंग एक ही शॉप पर मिल जाएगी। ये तीनों कलर्स ही ऐसे हैं, जिन्हें यूथ के साथ ही बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन भी पसंद करते हैं।

पिंक कलर बेस्ट

> ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है।

पिंक कलर युवतियों का तो हमेशा से ही फेवरेट रहा है। हर गारमेंट शॉप, मेकअप शॉप और एसेसरी शॉप में अपना फेवरेट बेबी और स्पारकलिंग पिंक ढूंढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि टीनेजर गर्ल्स के साथ 25 साल तक की गर्ल्स पिंक कलर की ड्रेसेज और एसेसरीज को पसंद करती हैं। ये कलर रोमांस के साथ ही सॉफ्टनेस के लिए भी जाना जाता है। शायद इसीलिए गर्ल्स फैशन एसेसरीज में, फुटवियर्स, बैग, ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है। लड़कियां गुलाबी और लाल तथा लड़के नीले और हरे रंग के प्रति आकर्षित क्यों होते हैं, इसका कारण चीनी वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। झीजांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि लड़कियों के दिमाग की संरचना इस तरह से है कि वे पके हुए लाल फलों जैसे रंगों की ओर आकर्षित हो जाती हैं, जबकि लड़के आसमान जैसे रंगों को पसंद करते हैं। 350 से अधिक विद्यार्थियों पर रंगों को लेकर किए गए शोध के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इस शोध में विद्यार्थियों पर 11 रंगों की पसंद का पता लगाया गया, साथ ही सभी का व्यक्तित्व परीक्षण भी किया गया। इस शोध में यह खुलासा हुआ है कि लड़कियों ने गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों को पसंद किया, जबकि लड़कों ने नीले और हरे रंग को महत्ता दी। इससे यह भी पता चला है कि अंतर्मुखी लड़के पीले रंग को पसंद करते हैं और लड़कियां ग्रे रंग का चुनाव करती हैं।

खाएं स्वाद से...

चटनी प्याज की

सामग्री

1 स्लाइस में कटा हुआ प्याज, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच मैथीदाना, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच कलौंजी, 100 ग्राम बैंगन, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 100 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च ,500 ग्राम पत्ता गोभी , 1 चम्मच सिरका, 150 ग्राम सेम की फली, स्वाद के अनुसार चीनी।

विधि

तेल गरम करें उसमें प्याज को भूनें । इसमें मैथी दाना, जीरा, सौंफ, हल्दी, हरी मिर्च, और कलौंजी मिलाएं और थोडी देर तक भूनते रहें। अब इसमें कटी हुई पत्तागोभी डालें और धीमी आंच पर पकने के लिए ढंककर रख दे ऊपर से सिरका और चीनी डालें । कुछ देर पकने के बाद गैस बंद कर दे। अब सब्जी तैयार हो गई। चटनी के साथ गरम गरम परोसें।

फिरनी केसर - बादाम

सामग्री

दूध एक लीटर, चावल 200 ग्राम, शक्कर 100 ग्राम, कटी बादाम 20 ग्राम, पिस्ता 15 ग्राम, हरी इलायची छह से आठ, केसर आधा ग्राम, चाँदी या सोने का वर्क।

विधि

चावल को कुछ घंटों तक पानी में भिगो लें और पानी निथारकर पीस लें। दूध को धीमी आँच पर उबालें और चावल, शक्कर, हरी इलायची और केसर मिलाकर तब तक चलाती रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। आँच से हटा कर बादाम और पिस्ता डाल दें। सर्विस बाउल में डालकर ठंडा कर लें। अब बादाम, पिस्ता व चाँदी या सोने के वर्क की गार्निश करें और ठंडा करके परोसें।

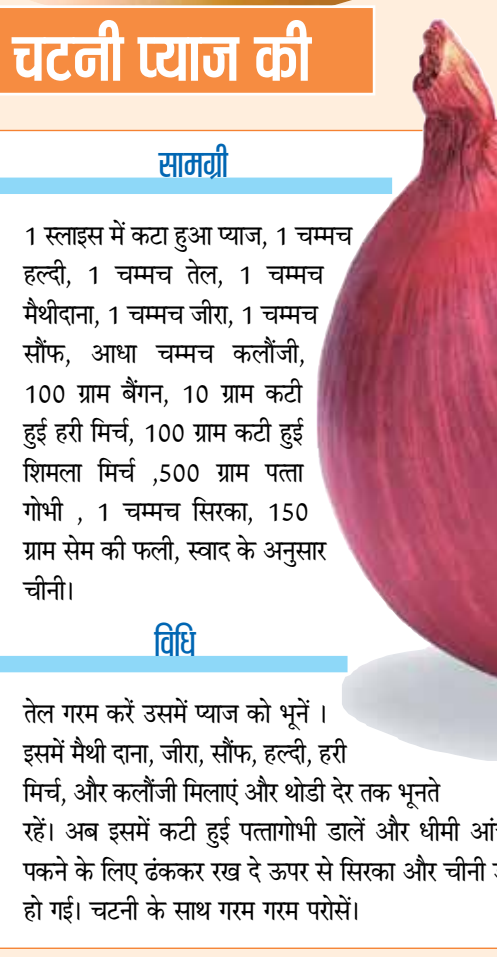

लो फैट मिठाई

सामग्री

250 ग्राम गेहूँ का आटा, 30 ग्राम घी, 200 ग्राम पिसी हुई चीनी या गुड़, एक चम्मच इलायची पावडर, एक चम्मच बादाम पावडर।

विधि

मोटे तले की कड़ाही में आटा भून लें। पिसी चीनी या गुड़ का चूरा कर आटे में मिला लें। मध्यम आँच पर दस निमट तक पकाएँ और थोड़ी-थोड़ी देर पर चलाती रहें। बाद में इलायची और बादाम पांवडर मिला लें। हाथ पर थोड़ा-सा घी लगाकर इनके लड्डू बाँध लें। और खुलकर खाएँ लो फैट मिठाइयाँ।

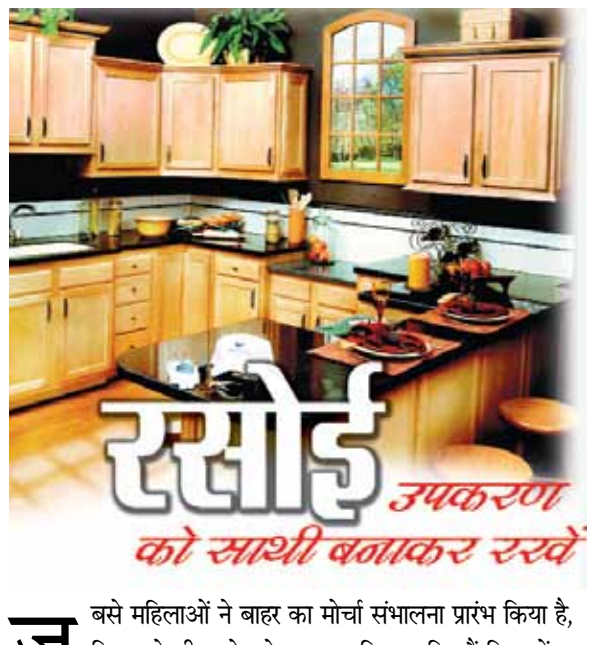

जबसे महिलाओं ने बाहर का मोर्चा संभालना प्रारंभ किया है, विज्ञान ने भी इतने नये उपकरण निकाल दिए हैं कि उन्हें रसोई संभालना, घर की साफसफाई रखना अधिक मुश्किल न लगे पर बिजली के उपकरण भी देखभाल मांगते है ताकि उन्हें लंबे समय तक अपने आराम का साथी बनाया जा सके। माइक्रोवेव, गैस स्टोव, मिक्सर जूसरग्राइंडर, फ्रिज, एसी, टोस्टर, प्रेशर कुकर, एक्जास्ट फैन, चिमनी आदि की सफाई का ध्यान नहीं रखेंगे तो ये हमारा जल्दी साथ छोड़ देंगे और हमारी परेशानी बढ़ जाएगी। तो आइये देखें इनकी देखरेख कैसे की जाए।

कुकर : कुकर हमेशा आईएसआई मार्क का खरीदें जो काफी भारी हो। हलका कुकर जल्दी फट सकता है। कुकर जल्दी खाना बनाने में हमारी मदद करता है और ईंधन की बचत करता है। यदि हम इसके प्रति लापरवाही बरतेंगे तो यह भी हमारे प्रति लापरवाह हो जाएगा। कुकर के ढक्कन का प्रयोग आराम से करें और ढक्कन उपयोग के बाद सावधानीपूर्वक ऐसे स्थान पर रखें ताकि वो गिरे नहीं और दबे नहीं। गिरने से ढक्कन टेढ़ा हो जाता है आर प्रेशर बनने में मुश्किल होती है। कुकर में दाल बनाते समय थोड़ा सा रिफाइंड तेल अवश्य डालें ताकि दाल का पानी बाहर न निकले। कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें। कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें । कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

राजस्थान यूनिवर्सिटी में Exam करवाने से भी बड़ा Challenge है ये, कैसे होगा पूरा...

जयपुर. कोरोना काल ने सबसे बड़ी चुनौतियां खड़ी है कि है शिक्षा विभाग के सामने, कोरोना के चलते स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं रुकी, तो अब उच्च शिक्षा विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कॉलेज और यूनिवर्सिटी की परीक्षा आयोजित करवाना.

हालांकि, उच्च शिक्षा विभाग की ओर से 13 जुलाई से परीक्षा आयोजित करवाने का फैसला लिया गया है, लेकिन राजस्थान यूनिवर्सिटी के सामने इससे भी बड़ी चुनौती है प्रथम वर्ष में प्रवेश और समय पर कोर्स को पूरा करवाना. राजस्थान बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड की ओर से 12वीं की परीक्षाएं 18 जून के बाद आयोजित हो रही है. ऐसे में इन परीक्षाओं का परिणाम जुलाई के मध्य तक आने की संभावना है, जिससे लगता है कि प्रथम वर्ष में प्रवेश अगस्त के प्रथम सप्ताह या दूसरे सप्ताह तक जा सकता है.

इसी के साथ सितंबर के पहले सप्ताह से प्रथम वर्ष की कक्षाएं शुरू हो सकती हैं. अगर ऐसा होता है तो प्रथम वर्ष की कक्षाएं करीब 2 महीने की देरी से शुरू होंगी. राजस्थान विश्वविद्यालय इस चुनौती पर पार पाने के भी प्रयास कर रहा है. राजस्थान यूनिवर्सिटी के कुलपति आरके कोठारी का कहना है कि 'इस बार प्रथम वर्ष का सत्र देरी से शुरू होगा जो एक बड़ी चुनौती है. इस चुनौती से पार पाने की तैयारी यूनिवर्सिटी को अभी से करनी होगी. यूनिवर्सिटी की कक्षाएं फरवरी माह तक लगती थी. अब उनको मार्च माह तक किए जाने पर विचार किया जा रहा है. इसके साथ ही एक्स्ट्रा क्लास लगाकर भी कोर्स को समय पर पूरा करवाने के प्रयास रहेंगे.'

शराब ठेकेदारों के जवाब , आज से सरकार करेंगी संचालन

भोपाल. नई शराब नीति को लेकर शराब के ठेकेदारों को जवाब देने का आज अंतिम दिन है. इसके बाद मंगलवार 9 जून से प्रदेश में होमगार्ड के जवान, आबकारी आरक्षक और विभाग के चौकीदार ही शराब की दुकानों का संचालन करेंगे. इन सबको आबकारी विभाग द्वारा पहचान पत्र जारी किया जाएगा.

शराब की दुकान न चलाने वाले ठेकेदारों की दुकानें अधीन में लेने के लिए आबकारी विभाग ने आदेश जारी कर दिए हैं. अब नए सिरे से शराब की दुकानों का टेंडर जारी किया जाएगा.

बता दें कि अगर कोई अपनी दुकान देने से इनकार करता है, तो नया ठेका होने तक कलेक्टर उक्त दुकान को अधिग्रहित कर आबकारी महकमे को सौंप देगा. मिली जानकारी के मुताबिक देशी-विदेशी शराब दुकानों का चार्ज जिला आबकारी और आबकारी उपनिरीक्षक संभालेंगे. आपको बता दें कि प्रदेश में अब तक करीब 70 फीसदी ठेकेदारों ने दुकानें संचालित नहीं करने के आवेदन दे दिए हैं. भोपाल, इंदौर सहित कुछ अन्य जिलों में तो समूहों ने जमा राशि वापस मांगी है.

गौरतलब है कि तीन महीने में आबकारी से राजस्व को 2800 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो चुका है. प्रदेश में शराब की कुल 3605 दुकानें हैं. इनमें 2544 देसी शराब की हैं और 1061 विदेशी शराब की हैं.

कोटा में कोरोना का कहर जारी, एक ही दिन में आए इतने अधिक मामले

➤कोटा में कोरोना का कहर लगातार जारी है. शहर में अलग अलग इलाकों से कोरोना संक्रमित रोगी मिल रहे हैं.

कोटा. राजस्थान के कोटा में कोरोना (Coronavirus) का कहर लगातार जारी है. शहर में अलग अलग इलाकों से कोरोना संक्रमित रोगी मिल रहे हैं. कोटा में सोमवार को कोरोना पॉजिटिव के 13 नए केस सामने आए हैं.

कोरोना का संक्रमण अब गुलाबबाड़ी, नयापुरा व आरपीएफ थाना स्टेशन तक जा पहुंचा है. मेडिकल कॉलेज से जारी रिपोर्ट के अनुसार रविवार को आरपीएफ थाने से 3 गुलाबबाड़ी से 4 और नयापुरा से 1 पॉजिटिव मिला है. आरपीएफ ने चोरी के आरोप में इनको पकड़ा था. जबकि कोटड़ी, प्रेम नगर, छावनी, विज्ञाननगर, कुम्हारों का मोहल्ले से 1-1 कोरोना संक्रमित मरीज मिला है.

इन्हें मिलाकर कोटा में अब तक पॉजिटिव मरीजों की संख्या 525 पर पहुंच चुकी है. जबकि जिले में अब तक 18 लोग कोरोना की चपेट में आने से मौत का ग्रास बने हैं. इधर शहर में कोरोना मरीजों के ठीक होने का सिलसिला भी जारी है. कोविड अस्पताल में भर्ती आठ मरीज रविवार को ठीक हो गए. उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया. अस्पताल अधीक्षक डॉ. सीएस सुशील ने बताया कि अब तक 425 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है. 465 मरीज दो बार नेगेटिव हो चुके हैं.

बिहार चुनाव: JDU ने कांग्रेस-आरजेडी पर साधा निशाना, कहा-55 और 15 वर्ष का हिसाब दे विपक्ष

मंत्री नीरज कुमार के बयान पर राजेश राठौड़ ने कहा कि, कांग्रेस से हिसाब मांगने से पहले पीएम मोदी ने जो आरोप लगाए थे 55 घोटालों का सीएम नीतीश कुमार पर उसका जवाब दें.

पटना. बिहार में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गईं हैं. एक तरफ रविवार को अमित शाह (Amit Shah) ने वर्चुअल सभा करके, बीजेपी का चुनावी शंखनाद किया तो, वहीं, दूसरी तरफ आरजेडी ने गरीब अधिकार दिवस मनाया. जबकि, सीएम नीतीश भी पार्टी कार्यकर्ताओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर रहे हैं. ऐसे में जुबानी जंग तेज होना लाजिमी है.

इस बीच, जेडीयू ने एक बार फिर विपक्षी दलों पर हमला किया है. बिहार सरकार में मंत्री नीरज कुमार ने कहा कि, जेडीयू 15 वर्ष का हिसाब देने को तैयार है. लेकिन इससे पहले कांग्रेस 55 वर्ष और आरजेडी 15 वर्ष का हिसाब जनता को दे. मंत्री ने कहा कि, विपक्ष के नेता अपने गांव और बूथ पर जाएं, फिर विकास देखें.

उन्होंने कहा कि, नीतीश कुमार (Nitish Kumar) के नेतृत्व में एक बार फिर एनडीए (NDA) की पुनरावृत्ति होगी. 2019 के लोकसभा चुनाव की तरह इस बार फिर से विपक्ष सुपड़ा साफ होगा. विपक्ष कौन सा चेहरा लेकर जनता के सामने जाएगा.मंत्री ने कहा कि, लालु यादव ने कहां थाली बजाया, आरजेडी के न्यायिक प्रवास के लोग कहां थाली बजा रहे थे. वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि, एनडीए सरकार ने 6 वर्षो में ही लोगों को सड़कों पर ला दिया. साथ ही, देश की अर्थव्यवस्था चौपट कर दिया.

वहीं, मंत्री नीरज कुमार के बयान पर राजेश राठौड़ ने कहा कि, कांग्रेस से हिसाब मांगने से पहले पीएम मोदी ने जो आरोप लगाए थे 55 घोटालों का सीएम नीतीश कुमार पर उसका जवाब दें. उन्होंने कहा कि, बीजेपी के पास कोई चेहरा नहीं है और 2015 विधानसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी बनाम महागठबंधन (Mahagathbandhan) था, जिसमें बीजेपी (BJP) हार गई थी.

राजेश राठौड़ ने कहा कि, जब नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) हार गए तो नीतीश कुमार (Nitish Kumar) क्यों नहीं हार सकते हैं. जनता ने मन बना लिया है कि, इस बार महागठबंधन को जिताएंगे.

दरभंगा: अज्ञात ट्रक ने महिला को मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, जिससे के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

दरभंगा. बिहार के दरभंगा में अज्ञात ट्रक ने महिला को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, महिला सड़क पार कर रही थी, इस दौरान तेज रफ्तार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई. वहीं, टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया.

महिला की पहचान मनिहास गांव निवासी के रूप में हुई है. इधर, घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी, जिससे के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया.

हंगामा कर रहे लोगों की मांग है कि, ट्रक चालक को तुरंत गिरफ्तार किया जाए. वहीं, घटना की जानकारी होने पर मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया. बता दें कि, घटना दरभंगा-मुजफ्फरपुर उच्च पथ के तेलिया पोखर के पास की है. फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

2 साल के मासूम को मां से मिलाने के लिए हाईकोर्ट ने बदला अपना ही फैसला, हुआ कुछ ऐसा ...

कोरोना महामारी के चलते कोर्ट को बंद रखा गया था. केवल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ही कुछ मामलों की सुनवाई हो रही थी. आज एक दो साल के मासूम के लिए लगभग ढाई महीने के बाद इंदौर हाईकोर्ट खुलेगा और सुनवाई की जाएगी.

इंदौर. इंदौर हाईकोर्ट आज सुनवाई के लिए खुल रहा है. कोरोना महामारी के चलते कोर्ट को बंद रखा गया था. केवल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ही कुछ मामलों की सुनवाई हो रही थी. आज एक दो साल के मासूम के लिए लगभग ढाई महीने के बाद इंदौर हाईकोर्ट खुलेगा और सुनवाई की जाएगी.

दरअसल ये सुनवाई 2 साल के बच्चे के मामले में होने जा रही है, जो माता-पिता के झगड़े के कारण अपने दादा-दादी के पास रह रहा है. बच्चे को उसकी मां से नहीं मिलने दिया जा रहा है जिसके बाद मां ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है.

याचिकाकर्ता मां के एडवोकेट हितेश शर्मा ने बताया कि इस मामले को बेहद संवेदनशील मानते हुए हाई कोर्ट खोलकर सुनवाई करने का निर्णय लिया गया है.

एडवोकेट का कहना है कि बच्चे के माता-पिता शादी के बाद अमेरिका चले गए थे. जंहा दोनों के झगड़े होने पर मां अकेली इंडिया आ गयी और इंदौर में अपने मायके रहने लगी. बच्चे के बिना इंडिया लौटी मां उससे मिलने के लिए तड़पती रही. दो-तीन महीने बाद पिता अमेरिका से आया और मासूम को ग्वालियर में अपने माता-पिता के पास छोड़कर अमेरिका चला गया.

हितेश शर्मा ने बताया कि महिला ने बच्चे से मिलने की कोशिश की पर उसे मिलने नहीं दिया गया. महिला ने पुलिस की मदद भी ली लेकिन उसे बच्चे से मिलने की अनुमति नहीं दी गई. जिसके बाद महिला ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की.

एडवोकेट हितेश शर्मा बताते है कि मां अपने बच्चे को पांच साल तक अपने पास रख सकती है. लेकिन इस महिला को उसके अधिकार से वंचित रखा गया है.

सिरोही: गुजरात विधायकों और रिसोर्ट संचालक के खिलाफ BJP ने करवाई शिकायत दर्ज

सिरोही. गुजरात में राज्यसभा की 4 सीटों के लिए 19 जून को चुनाव होने वाले हैं. ऐसे में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का खतरा सता रहा है जिस पर कांग्रेस विधायकों की बाड़ेबंदी कर उन्हें राजस्थान गुजरात सीमा पर सिरोही जिले के आबूरोड के एक रिसोर्ट में लाया गया है. अब तक करीब 23 विधायकों के रिसोर्ट में ठहरने की जानकारी है. इन विधायकों को जयपुर ले जाने की अटकलें थी, पर अब जानकारी में आया कि इन्हें इसी रिसोर्ट में रखा गया है.

भाजपा के जिलाध्यक्ष नारायण पुरोहित के नेतृत्व में भाजपा जिला महामंत्री जयसिंह राव ने कल देर शाम आबूरोड सदर थाने पहुंचे और आपदा अधिनियम के तहत लॉकडाउन के बावजूद नियमों के उल्लंघन कर विधायकों को रिसोर्ट में ठहराने पर विधायकों सहित रिसोर्ट संचालक के विरुद्ध सदर थाने में मामला दर्ज करवाया गया है.

पुलिस ने परिवाद दर्ज कर लिया है. इस दौरान भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दिनेश खंडेलवाल, नगर मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सांभरिया, धर्मेंद्र पुरोहित, मनीष मोरवाल समेत कई भाजपाई मौजूद रहे.

अलवर में हुआ कोरोना विस्फोट, राजस्थान में आंकड़ा पहुंचा 10696

जयपुर. प्रदेश में 8 जून सोमवार सुबह 10.30 बजे 97 नए कोरोना (Coronavirus) पॉजिटिव मरीज सामने आए, जिसके बाद प्रदेश में अब कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 10696 हो चुकी है. वहीं, अब तक प्रदेश में कुल मौत का आंकड़ा 241 पहुंच चुका है. रविवार को राजस्थान में 9 मौते हुई हैं. चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, आज राज्य में कुल 60 रिकवर्ड मरीज हुए हैं. अब तक 7814 रिकवर्ड केस हैं. कुल 7450 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं. राजस्थान में अब कुल 2641 एक्टिव केस हैं. अब तक कुल 3095 प्रवासी पॉजिटिव पाए गए हैं.

8 जून सोमवार सुबह अलवर में कोरोना विस्फोट हुआ है. एक ही दिन में अलवर में 58 नए केस दर्ज किये गए हैं. इसके अलावा राजस्थान में बांसवाड़ा से 3, बारां से 1, भरतपुर से 4, बूंदी से 2, डूंगरपुर से 6, जयपुर से 4, झालावाड़ से 2, कोटा से 12, पाली से 2 और सिरोही से 3 नए कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं.

वहीं, बढ़ते आंकड़ों के बीच राजस्थान में 6 जून शनिवार को एक दिन में पहली बार 13 मौत दर्ज हुईं और रविवार 7 जून को राजस्थान में 9 मौते हुई हैं. इसके बाद यहां कोरोना संक्रमित मरीजों की मौतों का कुल आंकड़ा 240 हो गया.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना का दूसरा सबसे बड़ा गढ़ बना ब्राजील, नहीं बता रहा मौतों का असली आंकड़ा

ब्रासीलिया (एजेंसी):

अमेरिका और ब्रिटेन के बाद कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले ब्राजील में दर्ज किए गए हैं। महामारी से निपटने में नाकाम रहने पर ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो की खूब आलोचना हो रही है । इसी बीच देश के कोरोना आंकड़ों को सरकारी वेबसाइट से हटा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अब सिर्फ पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना से होने वाली मौतों और मामलों को दर्ज किया जा रहा है। कुल मामलों और मौतों का आंकड़ा वेबसाइट से हटा दिया गया है। राष्ट्रपति बोलसोनारो ने कहा कि लगातार बढ़ते मामले मौजूदा हालात को बयां नहीं करते हैं। सरकार के इस फैसले की मीडिया और संसद के दूसरे नेता काफी आलोचना कर रहे हैं। ब्राजील की तरफ से यह फैसला ऐसे समय में किया गया है, जब यहां लगातार चौथे दिन एक हजार से ज्यादा मौतें हुई हैं। ब्राजील कोरोना वायरस केस के मामले में दुनिया भर में दूसरे नंबर पर है। ब्राजील में करीब हर मिनट एक व्यक्ति की मौत हो रही है। लैटिन अमेरिका के सबसे अधिक आबादी वाले देश ब्राजील और मेक्सिको में संक्रमण की दर सबसे ज्यादा है। चीन के वुहान में कोरोना से मौत का पहला मामला 10 जनवरी को दर्ज किया गया था। लेकिन अप्रैल के शुरू में ही मौतों की संख्या एक लाख को पार कर गई। उधर, महज 23 दिनों में ही यह संख्या तीन लाख से चार लाख तक पहुंच गई। अमेरिका के बाद ब्राजील संक्रमण का सेंटर बन चुका है। ब्राजील में 6.77 लाख से अधिक कोरोना मरीज हैं और अमेरिका, ब्रिटेन के बाद सबसे ज्यादा मौतें यहीं हुई हैं। यहां 36 हजार से ज्यादा की जान जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कुल संक्रमित मामलों में लगभग 30 फीसदी यानी 20 लाख केस अकेले अमेरिका में हैं।

ब्राजील राष्ट्रपति ने दी WHO से संबंध तोड़ने की धमकी, कोरोना में मरने वालों की संख्या 37 हजार के पार

(एजेंसी)।

ब्राजील में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 37 हजार के पार हो गई और इससे संक्रमितों की संख्या 685,400 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस के प्रकाशन के लिए नई वेबसाइट लांच की गई है लेकिन रविवार को 24 घंटे की अवधि के लिए कोई डेटा जारी नहीं किया गया था। समग्र गणना से पता चलता है कि देश में कोरोना संक्रमितों की 685,427 मामलों की पुष्टि हुई है और मृतकों की संख्या 37,312 पहुंच गई हैं। वहीं देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अमेरिका के बाद अब दूसरे देशों का भी गुस्सा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के खिलाफ बढ़ता ही जा रहा है। अमेरिका के बाद अब ब्राजील ने WHO से संबंध तोड़ने की धमकी दी है। ब्राजील ने WHO पर पक्षपात का आरोप लगाया।ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने आरोप लगाया कि WHO ने निष्पक्ष होकर देशों का साथ नहीं दिया। WHO ने कोरोना को लेकर अन्य देशों से झूठ बोला है। बता दें कि ब्राजील से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भी मई के अंत में कहा था कि अमेरिका WHO से सारे संबंध तोड़ रहा है। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि WHO ने चीन पर ज्यादा भरोसा जताया और अन्य देशों से झूठ बोला। ट्रंप ने WHO की फंडिंग बंद करने का भी ऐलान किया था।

अमेरिका WHO को सबसे ज्यादा रुपए दे रहा था। वहीं ब्राजील ने 2019 में ही पैसा देना बंद कर दिया था।

कोविड-19- ब्रिटेन में यात्रियों के लिए 14 दिन का क्वारंटाइन नियम लागू

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में विमान, रेल या जहाज के यात्रियों के लिए 14 दिन का अनिवार्य रूप से पृथक-वास का नियम सोमवार से देश की सीमाओं पर लागू हो गया जबकि विमानन उद्योग ने इसका विरोध किया है। देश में कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू लॉकडाउन में चरणबद्ध तरीके से छूट दिये जाने के तहत सभी यात्रियों को एक आनलाइन लोकेटर फार्म भरना होगा जिसमें वे अपना सम्पर्क नम्बर एवं यात्रा की जानकारी देंगे। साथ ही वे इसमें पता भी देंगे जहां वे दो सप्ताह तक पृथक-वास में रहेंगे। नियम तोड़ने वालों के लिए 1000 ग्रेट ब्रिटिश पाउंड का जुर्माना तय किया गया है। पुलिस को नियम का पालन सुनिश्चित करने के लिए उचित बल प्रयोग की इजाजत दी गई है। ब्रिटिश एयरवेज ने शुक्रवार को मंत्रियों को कार्रवाई-पूर्व पत्र (प्री ऐक्शन लेटर)लिखने के बाद विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। ब्रिटिश एयरवेज ने रयानएयर और इजीजेट के साथ मिलकर एक संयुक्त बयान जारी किया जिसमें उसने सरकार से कदमों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। बयान में कहा गया, ''ये उपाय ब्रिटिश नागरिकों के साथ-साथ ब्रिटेन पहुंचने वाले अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के लिए अनुचित हैं।''

ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा है कि 14 दिन के पृथक-वास का नियम ''विज्ञान द्वारा समर्थित'' और जीवन बचाने के लिए ''जरूरी'' है। भारतीय मूल की मंत्री ने कहा, ''हम जानते हैं कि इससे पर्यटन उद्योग के लिए मुश्किलें आएंगी। इसीलिए हम कर्मचारियों और व्यवसायों के लिए अभूतपूर्व पैकेज लाये हैं जो दुनिया में सबसे समग्र है।''

LAC विवाद: भारत के आगे चीन ने टेके घुटने, कहा- हम विवाद नहीं चाहते

(एजेंसी):

भारत-चीन के बीच सीमा एक बार फिर भारत ने ड्रैगन घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। लद्दाख में LAC पर जारी गतिरोध के बीच चीनी विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान आया है। सूत्रों के मुताबिक, ÷चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत के साथ हम शांति चाहते हैं, सीमा पर विवाद को हम आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं।÷ आपको बता दें कि LAC पर चीनी सेना की लगातार गतिविधि जारी हैं, जिस पर भारत कड़ी नजर रखे हुए है। रविवार को चीनी के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने LAC पर पेरा ट्रूपर के साथ पीएलए के युद्धाभ्यास की वीडियो शेयर की थी, जिसके जवाब में भारत के गृह राज्य मंत्री किशन जी रेड्डी ने उसी की भाषा में जवाब देते हुए भारतीय सेना की तैयारियों का वीडियो शेयर किया है। गौरतलब है कि पिछले महीने चीन की सेना LAC के अंदर घुस आई थी और भारतीय सेना के साथ धक्कामुक्की की। हालांकि भारतीय सेना ने भी चीनी सेना को मुंहतोड़ जवाब देते हुए उसे खदेड़ दिया, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तवान बना हुआ है। हाल ही में मोल्डो में भारत और चीन के सैन्य कमांडर के बीच वार्ता भी हुई, जिसमें भारत ने चीन को दो टूक जवाब देते हुए कहा कि चीन अपने सैनिकों को वापस बुलाए।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना महामारी से जूझ रहे अमेरिका में अब पहुंचा 'क्रिस्टोबल' तूफान

न्यू ऑर्लीन्स (अमेरिका)। अमेरिका में आया उष्णकटिबंधीय तूफान 'क्रिस्टोबल' सोमवार सुबह से कमजोर पड़ने लगा। इससे पहले असंतुलित तूफान लुसियाना के तट से टकराया और इसका खतरनाक मौसमी असर यहां से बहुत दूर पूर्व में देखने को मिला जहां मिसिसिपी में समुद्र तटों पर ऊंची-ऊंची लहरें उठने से अल्बामा द्वीप के कई हिस्से जलमग्न हो गए और फ्लोरिडा में इसके चलते बवंडर उठा। क्रिस्टोबल ने मिसिसिपी नदी के मुख और लुसियाना के ग्रांड आइल नगर के बीच शनिवार दोपहर को दस्तक दी। तूफान में हवाओं की गति 85 किलोमीटर प्रति घंटे थी। प्रचंड समुद्री तूफान के रूप में दस्तक देने के बाद रविवार देर रात को अंदर की तरफ बढ़ते वक्त यह तूफान कमजोर पड़ गया लेकिन खाड़ी तट के पास भारी बारिश होती रही और फ्लोरिडा के बड़े हिस्से में बाढ़ आने का खतरा अब भी बना हुआ है। तूफान का केंद्र देर रात एक बजे न्यू आर्लीन्स से उत्तरपश्चिम में करीब 56 किलोमीटर दूरी पर स्थित था जहां हवाओं की गति कम होकर 64 किलोमीटर प्रति घंटे हो गई। मियामी में राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने कहा कि मूसलाधार बारिश के साथ ही, तूफान के चलते सोमवार को भी उत्तरी खाड़ी तट के जलमग्न होने का अनुमान है लेकिन ÷अगले कई घंटों÷ तक इसके कमजोर हो कर उष्णकटिबंधीय विक्षोभ में बदलने की संभावना है। तटीय मिसिसिपी के खबरिया संगठनों ने बताया कि बाढ़ का पानी राजमार्गों और तट से ऊपर तक आ जाने के कारण गाड़ियां एवं ट्रक फंस गए। 'सिटी ऑफ बिलॉक्सी फेसबुक पेज' पर, अधिकारियों ने कहा कि आपात सेवा कर्मियों ने कई मोटर चालकों को बाढ़ के पानी से बाहर निकलने में मदद की। अल्बामा में, मुख्य भूमि को डॉफिन द्वीप से जोड़ने वाला पुल रविवार को अधिकतर समय बंद रहा। तूफान और बारिश के बीच-बीच में थमने पर पुलिस एवं राज्य परिवहन विभाग वाहनों ने मोटर वाहनों के काफिलों की अगुवाई करते हुए उन्हें द्वीप से आने-जाने में मदद की। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि कुछ इलाकों में 30 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि बारिश से मध्य खाड़ी तट और मिसिसिपी घाटी के भीतर तक बाढ़ आ सकती है। क्रिस्टोबल सोमवार दोपहर तक कुछ कमजोर पड़ सकता है लेकिन इसके चलते कई दिनों तक बारिश होने की आशंका है।

ट्रंप ने वाशिंगटन डी.सी. से नेशनल गार्ड की वापसी का आदेश दिया

वाशिंगटन.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने देश की राजधानी से नेशनल गार्ड को हटाने का आदेश दे दिया है। विरोध प्रदर्शनों से निपटने के लिए हाल ही में वाशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड को तैनात किया गया था। राष्ट्रपति ने रविवार को ट्वीट किया, मैंने अभी-अभी हमारे नेशनल गार्ड को वाशिंगटन, डीसी से वापस हटाने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है, अब सब कुछ सही और नियंत्रण में है। ट्वीट में आगे लिखा था, वे घर जा रहे हैं, लेकिन जरूरत पड़ी तो वे तुरंत लौट सकते हैं। पिछली रात अनुमान से कम प्रदर्शनकारी नजर आए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस के सामने शनिवार को वर्दीधारी सैन्यकर्मियों के एक समूह को देखा गया था, क्योंकि 25 मई को मिनियापोलिस के एक अश्वेत व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मौत पुलिस हिरासत में होने के कारण हजारों प्रदर्शनकारियों ने डीसी में प्रदर्शन किया था।पुलिस प्रक्रियाओं में बदलाव और फ्लॉयड को श्रद्धांजलि देने की मांग करते हुए शनिवार का विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सफेद चॉक से सड़कों पर संदेश लिखे और संगीत बजाया।

जॉर्ज फ्लॉयड की अंतिम यात्रा की तैयारियां शुरू

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

श्वेत पुलिस अधिकारी के हाथों मारे गए अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की अंतिम यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार को अंतिम संस्कार होने के बाद एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा जिसमें पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडेन भी वीडियो संदेश के जरिए फ्लायड को श्रद्धांजलि देंगे लेकिन वह व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल नहीं होंगे। ह्यूस्टन निवासी 46 वर्षीय फ्लॉयड की मिनियापोलिस में 25 मई को एक श्वेत पुलिस अधिकारी द्वारा गर्दन दबाए जाने से दम घुटने के कारण मौत हो गयी थी। इसे लेकर पूरे अमेरिका में व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए। फ्लॉयड का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए शनिवार को ह्यूस्टन लाया गया और मंगलवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस प्रमुख आर्ट ऐसीवेडो ने रविवार की सुबह एक ट्वीट में पुष्टि की कि ''जॉर्ज फ्लॉयड का पार्थिव शरीर ह्यूस्टन में सुरक्षित है और उनका परिवार भी वहीं मौजूद है।'' फ्लॉयड परिवार के एक मीडिया प्रतिनिधि ने पुष्टि की कि फ्लॉयड को मंगलवार को उनकी मां की कब्र के बगल में दफनाया जाएगा। इस बीच, अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पुष्टि की कि वह सोमवार को ह्यूस्टन में फ्लॉयड के परिवार से मुलाकात करेंगे। सुरक्षा कारणों से बाइडेन के मंगलवार को फ्लॉयड के अंतिम संस्कार में शामिल होने की संभावना नहीं है । हालांकि वह उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उनके अंतिम संस्कार के लिए एक वीडियो संदेश भी जारी करेंगे। ह्यूस्टन में सोमवार और मंगलवार को दो श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित होंगे। दोनों श्रद्धांजलि कार्यक्रम 13950 हिलक्रॉफ्ट एवेन्यू के द फाउंटेन ऑफ प्रेज चर्च में आयोजित किए जाएंगे। अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखना और मास्क तथा दस्ताने पहनना जरूरी होगा।

पाकिस्तान में कोरोना केस एक लाख के पार, रेल मंत्री रशीद और Ex PM भी पॉजिटिव

इस्लामाबाद (एजेंसी):

पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,728 नए मामले सामने आए जिससे संक्रमण के मामलों की कुल संख्या एक लाख के पार चली गई। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी और मौजूदा रेलमंत्री शेख रशीद अहमद के सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की प्रवक्ता मरयम औरंगजेब ने 61 वर्षीय अब्बासी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की है।उल्लेखनीय है कि अब्बासी पीएमएल-एन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं और पार्टी नेता नवाज शरीफ को अदालत द्वारा प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद वह अगस्त 2017 से मई 2018 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। रेलमंत्री के कार्यालय ने बताया कि शेख रशीद अहमद डॉक्टरों की सलाह पर दो हफ्ते तक स्व पृथक-वास में रहेंगे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता और सूबे के पूर्व मंत्री शरजील मेमन के भी रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सूबाई असेंबली के सदस्य चौधरी अली अख्तर भी कोरोना पॉजिटिव हैं। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने दी।उन्होंने बताया कि अख्तर गृह पृथक-वास में हैं और संक्रमण के लक्षण आने के बाद उनकी जांच की गई थी। अख्तर पंजाब विधानसभा के लिए फैसलाबाद-III सीट से 2018 में निर्वाचित हुए।पाकिस्तान में सूबाई मंत्री सहित कम से कम चार सांसद की कोरोना वायरस से मौत हुई है। विदेश विभाग की प्रवक्ता आइशा फारूकी ने रविवार को बताया कि उनके कार्यालय के दो अधिकारी सहित पांच लोग कोरोना पॉजिटिव हैं। उन्होंने बताया कि ये मामले गत हफ्ते सामने आए।उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या एक लाख के पार चली गई। इसी दौरान संक्रमण की चपेट में आए 65 लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 2,067 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार संक्रमण के कुल 1,03,671 मामलों में से पंजाब में 38,903, सिंध में 38,108, खैबर पख्तूनख्वा में 13,487,

बलूचिस्तान में 6,516, इस्लामाबाद में 5,329, गिलगित बल्तिस्तान में 932, और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 396 मामले शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 से 65 और मरीजों की मौत हो गई जिसके बाद देश में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,067 हो गई। पाकिस्तान में अब तक 34,355 मरीज उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं। अब तक देश में कुल 7,05,833 लोगों की कोरोना वायरस की जांच की जा चुकी है। पिछले चौबीस घंटे में अधिकारियों ने 22,650 नमूनों की जांच की।

ब्रिटेन में यात्रियों के लिए 14 दिन का quarantine नियम लागू, रूल तोड़ने वाले पर लगेगा जुर्माना

लंदन। ब्रिटेन में विमान, रेल या जहाज के यात्रियों के लिए 14 दिन का अनिवार्य रूप से पृथक-वास का नियम सोमवार से देश की सीमाओं पर लागू हो गया जबकि विमानन उद्योग ने इसका विरोध किया है। देश में कोरोना वायरस के मद्देनजर लागू लॉकडाउन में चरणबद्ध तरीके से छूट दिये जाने के तहत सभी यात्रियों को एक आनलाइन लोकेटर फार्म भरना होगा जिसमें वे अपना सम्पर्क नम्बर एवं यात्रा की जानकारी देंगे। साथ ही वे इसमें पता भी देंगे जहां वे दो सप्ताह तक पृथक-वास में रहेंगे। नियम तोड़ने वालों के लिए 1000 ग्रेट ब्रिटिश पाउंड का जुर्माना तय किया गया है। पुलिस को नियम का पालन सुनिश्चित करने के लिए उचित बल प्रयोग की इजाजत दी गई है। ब्रिटिश एयरवेज ने शुक्रवार को मंत्रियों को कार्रवाई-पूर्व पत्र (प्री ऐक्शन लेटर)लिखने के बाद विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। ब्रिटिश एयरवेज ने रयानएयर और इजीजेट के साथ मिलकर एक संयुक्त बयान जारी किया जिसमें उसने सरकार से कदमों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। बयान में कहा गया, ''ये उपाय ब्रिटिश नागरिकों के साथ-साथ ब्रिटेन पहुंचने वाले अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के लिए अनुचित हैं।'' ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा है कि 14 दिन के पृथक-वास का नियम ''विज्ञान द्वारा समर्थित'' और जीवन बचाने के लिए ''जरूरी'' है। भारतीय मूल की मंत्री ने कहा, ''हम जानते हैं कि इससे पर्यटन उद्योग के लिए मुश्किलें आएंगी। इसीलिए हम कर्मचारियों और व्यवसायों के लिए अभूतपूर्व पैकेज लाये हैं जो दुनिया में सबसे समग्र है।

किम-जोंग उन ने बुलाई पोलित ब्यूरो की बैठक, बाहरी मामलों पर चर्चा नहीं

सियोल. उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने वर्कर्स पार्टी की एक पोलित ब्यूरो बैठक की अध्यक्षता की और केमिकल उद्योग को विकसित करने के तरीकों पर चर्चा की, लेकिन अंतर-कोरियाई मुद्दे और अन्य बाहरी मामले एजेंडे में शामिल नहीं थे। देश की सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, यह बैठक रविवार को हुई। यह दक्षिण कोरिया से प्योंगयांग-विरोधी पर्चे भेजे जाने के बाद जवाब के तौर पर उत्तर कोरिया द्वारा अंतर-कोरियाई संपर्क कार्यालय को खत्म करने की कसम खाने के समाप्त करने का संकल्प लेने के दो दिन बाद हुई।उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी केसीएनए ने एक रिपोर्ट में सोमवार को कहा कि एजेंडे में चार मुद्दे थे, लेकिन पर्चों का मुद्दा नहीं था।केसीएनए ने कहा, बैठक में देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को विकसित करने और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से चर्चा हुई। इसने कहा कि एजेंडे में केमिकल उद्योग को विकसित करने में आ रही कुछ समस्याओं पर चर्चा हुई।किम ने केमिकल उद्योग के महत्व पर जोर देते हुए इसे उद्योग की नींव और देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख मोर्चा कहा। उन्होंने विशेष रूप से, 'सी 1 केमिकल उद्योग' के विकास का आह्वान किया, यह एक कोयला-गैसीकरण परियोजना है।

दुनिया में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या चार लाख तक पहुंची

बार्सिलोना। दुनिया में रविवार को कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या चार लाख तक पहुंच गई। इससे एक दिन पहले ही दक्षिण अमेरिका के सबसे अधिक प्रभावित देश ब्राजील ने मानक जन स्वास्थ्य नियमों को तोड़ते हुए संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा जारी करने पर रोक लगाई थी। जॉन हापकिंस विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में अबतक कम से 69 लाख कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि दुनिया में बीमारी की निगरानी के लिए विश्वविद्यालय के आंकड़ों का संदर्भ दिया जाता है। संस्थान के मुताबिक दुनिया में मौतों के मामले अमेरिका शीर्ष पर है, जहां पर सबसे अधिक 1,10,000 लोगों के कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत होने की पुष्टि हुई है। वहीं, पिछले साल चीन के वुहान में पहली बार सामने आए कोरोना वायरस से अबतक यूरोप में 1,75,000 से अधिक लोगों की मौत हुई है। हालांकि, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि जॉन हापकिंस के आंकड़े महामारी के वास्तविक प्रभाव को दिखाने में नाकाम है क्योंकि वास्तविक संक्रमितों की संख्या कहीं अधिक है। कई सरकारें विश्वसनीय आंकड़े नहीं दे रही हैं जिसे महामारी का वास्तविक संकेतक माना जाता है। वहीं, जांच की संख्या भी कम है खासतौर पर संकट के शुरुआती चरण में। इटली और स्पेन की एजेंसियों के मुताबिक दोनों देशों में संयुक्त रूप से करीब 60 हजार लोगों की मौत हुई है। हालांकि, वे स्वीकार करते हैं वास्तविक मौतों की संख्या कहीं अधिक है। वहीं ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने एक और कदम बढ़ते हुए शनिवार को ट्वीट किया कि ब्राजील में हुई मौतें देश की वास्तविक स्थिति को प्रदर्शित नहीं करती और कहा कि वायरस के संक्रमितों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। बोलसोनारो की बीमारी की गंभीरता को लेकर लगातार स्वास्थ्य विशेषज्ञों से बहस हो रही है और उन्होंने ब्राजील के विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर होने की चेतावनी भी दी है। बोलसोनारो के आलोचकों का कहना है कि बीमारी की भयावहता को छिपाने के लिए राष्ट्रपति इस तरह की बातें कर रहे हैं। ब्राजील की ओर से आखिरी बार आधिकारिक रूप से दी गई जानकारी के मुताबिक देश में करीब 34 हजार लोगों की कोविड-19 से मौत हुई है जो अमेरिका और ब्रिटेन के बाद सबसे अधिक है। वहीं देश में करीब 6,15,000 लोग संक्रमित है, जो अमेरिका के बाद सबसे अधिक है। बोलसोनारो की स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ बहस के बाद पोप फ्रांसिस ने लॉकडाउन से बाहर आ रहे देशों के लोगों से सतर्कता बरतने और प्रशासन द्वारा तय सामाजिक दूरी, साफ-सफाई और आवाजाही संबंधी नियमों का अनुपालन करने की अपील की है। पोप ने कहा, '' सतर्क रहें, विजयी होने का जश्न नहीं मनाएं, इतनी जल्दी प्रसन्न नहीं हों। नियमों का पालन करें। ऐसे नियम हैं जो वायरस से बचने और दोबारा आगे बढ़ने के लिए बनाए गए हैं।'' अर्जेंटिना में जन्मे पोप ने वायरस से जा रही लोगों की जान खासतौर पर लातिन अमेरिका में हो रही मौतों पर निराशा जताई। इटली में सार्वजनिक स्थलों पर जमा होने को लेकर लगी रोक हटने के बाद रविवार को मशहूर सेंट पीटर्स स्क्वॉयर पर दोपहर की प्रार्थना में आशीर्वाद लेने के लिए जुटे सैकड़ों लोगों को अपनी खिड़की से देख पोप प्रसन्न दिखे। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने कहा है कि महामारी का प्रकोप रुकने से पहले वे पाबंदियों में ढील दे सकते हैं। अमेरिका में कोरोना वायरस के साथ-साथ जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के भड़की हिंसा से निपटने के तरीकों को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला तेज होता जा रहा है। ब्रिटेन ने रविवार को खुलासा किया कि 15 जून से प्रार्थना स्थलों को निजी प्रार्थना के लिए खोला जा सकता है। ब्रिटेन में गत हफ्तों में इस बात को लेकर चिंता बढ़ी है कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सरकार बहुत जल्दी पाबंदियों में ढील दे रही है जबकि रोजाना कोविड-19 के करीब आठ हजार मामले आ रहे हैं। ब्रिटेन में गैर जरूरी सामान की दुकानों को भी 15 जून से खोला जाना है।

गांधी की प्रतिमा दोबारा लगाने के लिए ओवरसीज कांग्रेस ने की भुगतान की पेशकश

अरुल लुइस । न्यूयॉर्क, 8 जून इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के वाशिंगटन चैप्टर के अध्यक्ष जॉनसन म्यालिल ने शनिवार को कहा, ÷महात्मा गांधी हर जगह शांति और सद्भाव के प्रचारक रहे हैं। इस तरह के एक आइकन की प्रतिमा को विखंडित किया जाना बहुत कष्टप्रद और दर्दनाक है।÷ इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी महात्मा गांधी और उनके विचारों पर हमले बहुत ही निंदनीय हैं।जॉनसन ने राष्ट्रीय उद्यान सेवा के कार्यवाहक निदेशक डेविड वेला को लिखा है कि आईओसी भारतीय दूतावास के पास स्थित गांधी प्रतिमा को पुनर्स्थापित करने का खर्च वहन करेगी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और भारत के पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा साल 2000 में समर्पित प्रतिमा की देखरेख की जिम्मेदारी इसी उद्यान प्रबंधन की है।अमेरिकी कांग्रेस ने 1998 में सरकारी भूमि पर मूर्ति के निर्माण के लिए एक विधेयक पारित किया था। इस 2.6 मीटर ऊंची प्रतिमा को मूर्तिकार गौतम पाल द्वारा डिजाइन किया गया था और उन्होंने गांधी को 1930 के नमक सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए उनके उद्धरण, मेरा जीवन मेरा संदेश है (माय लाइफ इस माय मैसेज) के साथ चित्रित किया था। भारत में अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर ने पिछले हफ्ते मूर्ति को खंडित किए जाने को लेकर माफी मांगी थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आजी डैम सर्कल के निकट ऑवर ब्रिज की दीवार ढहने से दो युवकों की मौत

राजकोट शहर के आजी डैम सर्कल के निकट सोमवार को अचानक ऑवर ब्रिज की दीवार ढह गई! घटना के वक्त वहां से मोटर साइकिल सवार दो युवकों की दीवार के मलबे

के नीचे दबकर मौत हो गई! मलबे में अन्य वाहन भी दब गए!

जानकारी के मुताबिक राजकोट में आजी डैम चौराहे के निकट ऑवर ब्रिज की दीवार अचानक भरभरा कर ढह गई! 2008 में बनाई गई यह दीवार केवल पांच सैंकड में धराशायी हो गई! दीवार के नीचे दबने से भावेश उर्फ भूपत नाथाभाई मियात्रा और विजय करणभाई वीरडा की मौत हो गई! भावेश और विजय घटना के वक्त ऑवर ब्रिज के निकट से गुजर रहे थे! सूचना मिलते ही महानगर पालिका के अधिकारी, फायर ब्रिगेड और पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया! मलबे के नीचे दबे युवकों के शव निकाल कर राजकोट सिविल अस्पताल भेजे गए हैं! मलबे के नीचे दबे मृतकों की बाइक के अलावा अन्य दो वाहनों को भी जेसीबी की मदद से बाहर निकाल लिया गया है! महानगर पालिका अधिकारी ने घटना से पल्ला झाड़ते हुए नेशनल हाईवे ऑथोरिटी को जिम्मेदार ठहराया है! अधिकारी ने कहा कि ऑथोरिटी को पहले ही प्रिमॉन्सून कार्यवाही और सर्विस रोड पर पानी भरने के बारे में सूचना दे दी थी! बता दें कि राजकोट में आज सुबह से बारिश हो रही है! फिलहाल दीवार ढहने की वजह जांच के बाद ही सामने आएगी, परंतु इस से राजकोट मनपा ने पल्ला झाड़ लिया है और नेशनल हाईवे ऑथोरिटी को जिम्मेदार ठहराया है

75 दिनों बाद राज्य में धार्मिक स्थल समेत मॉल और रेस्टोरंट खुले

अहमदाबाद गुजरात में 75 दिनों के बाद सोमवार से धार्मिक स्थल समेत मॉल और रेस्टोरंट शुरु हो गए हैं!कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए समूचा देश लॉकडाउन किया गया था! कोरोना संकट के चलते

ठप अर्थतंत्र को पटरी पर लाने के लिए अनलॉक 1 में सरकार ने सोमवार से राज्य में धार्मिक स्थल, होटल, रेस्टोरंट, शॉपिंग मॉल और अन्य सार्वजनिक स्थलों को खोलने की मंजूरी दी है!

बशर्ते सभी लोगों को सरकार की गाइडलाइन का पालन करना होगा! इसके अंतर्गत धार्मिक स्थल, रेस्टोरन्ट, शॉपिंग मॉल इत्यादि को सैनिटाइज करने के साथ ही सोशल डिस्टेंस मेंनटेन करना और सभी को मास्क लगाना अनिवार्य होगा!

धार्मिक स्थलों पर 65 वर्ष से अधिक के व्यक्ति और 10 वर्ष से छोटी आयु के बच्चों समेत गर्भवती महिलाओं को प्रवेश नहीं मिलेगा! सभी को 6 फूट की दूरी बनाए रखने के साथ ही मास्क लगाना होगा!

धार्मिक स्थलों के प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर से हाथ की सफाई, स्वास्थ्य जांच और शरीर के तापमान की व्यवस्था अनिवार्य है!

मंदिर में प्रसाद वितरण और पवित्र जल के छिड़काव की मंजूरी नहीं है!

मॉल को नियमों के मुता. बिक सैनिटाइज करना होगा और सभी एसी का सेटिंग 24 से 30 डिग्री होना चाहिए!

वहीं रेस्टोरंट में क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक ग्राहक नहीं होने चाहिएद्य होटल में एक बार उपयोग लिया गया मेनू का दूसरी बार उपयोग नहीं किया जा सक. ेगा! कपड़े के नेपकिन्स के बदले अच्छी क्वॉलिटी के पेपर नेपकिन्स का उपयोग और लोगों के बीच 6 फूट की दूरी होनी चाहिए!

होटल–रेस्टोरंट में भी वृद्ध, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को नहीं जाने की सलाह दी गई है!

रेस्टोरंट में काम करने वाले कर्मचारियों को हाथ में ग्लव्स और मास्क लगाकर ही काम करना होगा!

होटल में मास्क लगाकर ही स्टाफ और ग्राहकों को प्रवेश दिया जाए और साथ लाए सामान को सैनिटाइज करना होगा!

मुख्यमंत्री ने एक ही दिन में विभिन्न विकास कार्यों को दी तत्काल मंजूरी

अनलॉक–1 के तहत कोरोना के साथ और खिलाफ तेजी से बहाल हो रहा है जनजीवन

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कोरोना काल में भी विकास की गति थमे नहीं और ढांचागत सुविधा के साथ–साथ आवास, ऊर्जा और उद्योगों के कार्य भी तेजी से शुरू कर राज्य की विकास यात्रा को पूर्ववत गतिशील बनाने के उदार भाव से सोमवार को एक ही दिन में राज्य में मुख्यमंत्री गृह निर्माण योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 50,875 वर्ग मीटर जमीन सूरत महानगर में आवंटित की है। यही नहीं, कच्छ की रापर तहसील के चित्रोड़ में औद्योगिक बसावट के लिए 7 लाख 50 हजार वर्ग मीटर जमीन गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) को आवंटित करने का भी निर्णय उन्होंने किया है। उल्लेखनीय है कि रूपाणी ने मौजूदा कोरोना संक्रमण के साथ और उसके खिलाफ जनजीवन को तेजी से बहाल करने के लिए अनलॉक–1 के अंतर्गत 1 जून से राज्य सरकार के कार्यालयों सहित ज्यादातर दैनिक कामकाज को शुरू कराया है। रूपाणी ने उत्तर गुजरात के मोडासा–अरवल्ली और दक्षिण गुजरात के नवसारी में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी और अबाधित तरीके से विद्युत आपूर्ति के लिए दो सब स्टेशन के लिए कुल 49900 वर्ग मीटर जमीन गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जेटको) को देने का भी निर्णय किया है। मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों सहित नगरों और गांवों के विभिन्न विकास कार्यों के लिए जमीन आवंटित करने का जो निर्णय किया है उसमें सूरत महानगरपालिका के पांच अलग–अलग क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री गृह योजना के तहत सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के आधार पर आवास निर्माण के लिए जमीन आवंटन किया है। तदनुसार, सूरत महानगरपालिका में सूरत शहर के वार्ड नं.1 के सिटी सर्वे नं. 1813 से 1916 वाली कुल 371.24 वर्ग मीटर जमीन, कतारगाम के सिंगणपोर में सर्वे नं.6–7 टीपी स्कीम नं.26 के एफपी 7 वाली कुल 2700 वर्ग मीटर, अडाजण के कोसाड में सर्वे नं. 291/1/ए, ब. नं. 480 की कुल 19911 वर्ग मीटर तथा सूरत शहर के वार्ड नं.1 के सिटी सर्वे नं. 1808 से 1812 की कुल 555.18 वर्ग मीटर की जमीन, उधना में सर्वे नं. 72 में से 1 और73 की कुल 27338 वर्ग मीटर जमीन सहित कुल 50875.42 वर्ग मीटर जमीन मुख्यमंत्री गृह योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पीपीपी मॉडल के तहत आवास बनाने के लिए आवंटित की है। उन्होंने सूरत महानगरपालिका के बाहरी क्षेत्रों अर्थात आउटग्रोथ एरिया के नागरिकों के लिए भौतिक बुनियादी ढांचा सुविधा वृद्धि के लिए 32.99 करोड़ रुपए के कार्य भी स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री ने आउटग्रोथ एरिया के जिन विकास कार्यों के लिए वित्तीय आवंटन किया है उसमें भौतिक ढांचागत योजना के तहत उन–सोनारी सीवेज पम्पिंग स्टेशन से बमरोली सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तक राइजिंग मेन लाइन बिछाने के लिए कुल 10 करोड़ रुपए, शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़कों का थ्रेडेड प्लास्टिक वेस्ट के उपयोग से कार्पेट और रिकार्पेट कार्य के लिए कुल 2.73 करोड़ तथा नए क्षेत्र में एसीसी पोलिमेरिक पद्ध ति से सड़कों की रिसर्फेसिंग करने के लिए कुल 5.52 करोड़ रुपए के कार्यों को मंजूरी दी है। इसके अलावा, सामाजिक ढांचागत योजना के तहत वरियाव 'वाय' जंक्शन से सायन चेक पोस्ट तक टीपी स्कीम नं. 36 में बरसाती पानी की निकासी के लिए आरसीसी बॉक्स के कार्य के लिए भी 14. 75 करोड़ रुपए के विकास कार्य को मंजूरी दी है। विजय रूपाणी ने सीमावर्ती क्षेत्र कच्छ की रापर तहसील के चित्रोड़ मं उद्योगों की स्थापना के जरिए

इस दुर्गम क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक आधार मुहैया कराने की मंशा के साथ चित्रोड़ के सर्वे नंबर 714 में से 7 लाख 50 हजार वर्ग मीटर जमीन जीआईडीसी भुज को देने का निर्णय किया है मुख्यमंत्री ने इसके अतिरिक्त दो नवगठित जिलों अरवल्ली और नवसारी के ग्रामीण क्षेत्रों में सरलता से विद्युत आपूर्ति के उद्देश्य से दो सब स्टेशन निर्माण के लिए भी गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड को जमीन आवंटित की है। इसके तहत अरवल्ली की मोडासा तहसील के फरेड़ी के सर्वे नं. 72, 733, 735, 742, 748 और 732 की कुल 45000 वर्ग मीटर जमीन 220 केवी सब स्टेशन के लिए आवंटित की गई है। वहीं, पलसाणा के तांतीथैया के ब्लॉक–231 की 4900 वर्ग मीटर जमीन 66 केवी सब स्टेशन के लिए जेटको नवसारी को आवंटित की है।

राज्य के नगरों और शहरों में जन सुविधा के कार्यों के लिए स्वर्मिण जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने गांधीनगर जिले की पेथापुर नगरपालिका को निजी सोसायटी जनभागीदारी योजना के तहत आरसीसी ब्लॉक तथा पेवर ब्लॉक के 40 लाख रुपए के कार्यों के लिए मंजूरी दी है।

1 जून को राज्य सरकार के विभिन्न विभागों व कार्यालयों के पुनः कार्यरत होने के साथ ही विकास कार्यों की रफ्तार को कोरोना संक्रमण के बीच भी बरकरार रखने के उद्देश्य से इन सारे विकास कार्यों को केवल एक ही दिन में मंजूरी प्रदान की है।

कक्षा 10 के परिणाम की घोषणा आज

अहमदाबाद गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से मार्च 2020 में ली गई कक्षा 10 के नतीजों की घोषणा मंगलवार को की जाएगी! बोर्ड की वेबसाइट www-gseb-org पर सुबह 8 बजे विद्यार्थी अपना परिणाम देख सकेंगे!

शिक्षा बोर्ड ने नतीजों की घोषणा करने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं!

हांलाकि फिलहाल परिणाम जारी किए जाएंगे, मार्कशीट वितरण की तारीख का ऐलान बाद में किया जाएगा!

अडाजन रिवर हाइट्स कॉम्प्लेक्स में एक शराबी कार चालक ने सोसायटी के गेट दो चौकीदार उपर कार चला

सुरत , अडाजन रिवर हाईटस कॉम्प्लेक्स में एक शराब पीकर कारचलाने वाले व्यकित ने गेट पर खड़े दो लोगों के उपर कार चला देने के बाद घटना की सी.सी. टी.वी शोशल मिडिया में वायरल होने के बाद यह चर्चा हैं? की सोसायटी के प्रमुख ने सारे खर्च दिलाने का आश्वासन देकर कोई भी फरियाद दर्ज नही करने दिया हैं

सुरत बमरोली रोड पर मोटरसाइकिल चालक को जांघ में चाकू से हमला कर मोबाईल फोन लुटा

सुरत , उतरप्रदेश के रहनेवाले एक युबक को बमरोली बे–ब्रिज के पास टोरेंट पावर प्लांट के पास खड़े मोटरसाइकिल पर दो लुटेरों ने लूट लिया था। बाइक पर लुटेरों ने उससे पूछा कि वह क्या कर रहा है और उसकी जांघ को चप्पू से घायल कर दिया। बाद में लगभग 9,500 रुपये का मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।

खटोदरा पुलिस थाने के अनुसार, पांडेसरा कैलास चोकड़ी के पास रविनगर सोसाइटी बिल्डिंग नंबर 176 में रहने वाला एक ट्रैक्टर चालक संतराम सूबेदार शुक्ला (उम्र.44) शाम करीब 7 बजे अपने ट्रैक्टर पर

मजदूरी की तलाश करने गया था। वह खड़ा था और पुल पर टोरेंट पावर के संयंत्र के पास एक परिचित के साथ बात कर रहा था। 20 से 25 साल की उम्र के दो लुटेरे मोटरसाइकिल पर थे। लुटेरों में से एक ने पूछा कि वह क्या कर रहा था, उसने उस पर चप्पू से हमला किया, उसकी बाईं जांघ को घायल कर दिया और उसकी शर्ट की जेब से 9,500 रुपये का मोबाइल फोन लूट लिया। पुलिस ने घटना के संबंध में खटोदरा पुलिस स्टेशन में लूट की शिकायत दर्ज की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)